INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-10 | मथुरा, शनिवार, 7 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की आठवीं बैठक में कई अहम फैसले

ब्रज के विकास को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की आठवी बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ में उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र एवं गन्ना विकास मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण के अलावा मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप आदि।

श्रीकृष्ण जन्म स्थान के गर्भ गृह में पूजा अर्चना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मथुरा-वृंदावन रेल मार्ग के 11.80 किलोमीटर लंबे ट्रैक को फोरलेन मार्ग में विकसित करने के प्रस्ताव पर चर्चा

पर्यटक थाने में आवासीय भवनों के निर्माण कार्य का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ हैं डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह भेंट करते पुलिस अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की आठवीं बोर्ड बैठक शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई। बैठक में करीब 300 करोड़ रुपये के कार्यों को अनुमोदित किया है। इसमें ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास, तीर्थ स्थलों के संरक्षण तथा श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। वृंदावन में गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर स्थित यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में मथुरा वृंदावन रेल मार्ग के 11.80 किलोमीटर लंबे ट्रैक को फोरलेन मार्ग में विकसित करने के प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, ब्रज तीर्थ विकास परिषद और जिला प्रशासन को रेलवे विभाग से समन्वय स्थापित कर भूमि अथवा भूमि मूल्य से संबंधित आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री पोड रेपिड ट्रांजिट सिस्टम की व्यवहारिकता का अध्ययन करने को कहा। इसके साथ ही ब्रज की प्रसिद्ध 84 कोस परिक्रमा मार्ग के विकास के लिए भी संबंधित विभागों को तेजी से कार्य योजना लागू करने को कहा गया। बैठक में गोवर्धन, मथुरा और वृंदावन में पार्किंग, टीपीओ तथा अन्य जनसुविधाओं को विकसित करने के लिए चिन्हित भूमि पर पीपीपी मॉडल के तहत कार्य कराने का निर्णय लिया गया। छाता क्षेत्र के ग्राम अजीजपुर में प्रस्तावित वॉटर म्यूजियम के लिए चिन्हित भूमि को सिंचाई विभाग से परिषद को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने ब्रज में 36 वनों के इको-रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए आगामी वर्षा ऋतु में वन महोत्सव के दौरान व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस अभियान में जल संरक्षण, खारे पानी के उपचार और जनसहभागिता को भी शामिल करने पर बल दिया गया। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अंतर्गत विकसित होने वाली हेरिटेज सिटी को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में यमुना रिवर फ्रंट में मथुरा से वृंदावन के बीच जलमार्ग विकसित कर पीपीपी मॉडल पर क्रूज और नौका संचालन शुरू करने की योजना पर भी सहमति बनी। साथ ही गोवर्धन स्थित पारसौली में सूरदास ब्रज अकादमी के संचालन के लिए आवश्यक कार्मिकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। परिषद की वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना में प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए बजट स्वीकृत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परिषद द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं के बजट में किसी प्रकार की कटौती न की जाए और उन्हें शीघ्र धरातल पर उतारा जाए। नगर निकायों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वच्छता, सुरक्षा और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। जल निगम और नगर निगम द्वारा एसटीपी, एसपीएस और पंपिंग स्टेशन के निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा कर यमुना नदी में प्रदूषण कम करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से विभिन्न विभागों को दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मथुरा वृंदावन सहित ब्रज क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर खास जोर दिया। बैठक के अंत में परिषद के सीईओ सूरज पटेल द्वारा प्रस्तुत डोनेशन मैनेजमेंट डिजिटल सिस्टम का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया। बैठक का संचालन आगरा मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने किया। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, प्रभारी मंत्री संदीप सिंह, सांसद हेमा मालिनी, तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह, विधायक ओम प्रकाश सिंह, योगेश नौहवार, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी सहित उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र और प्रमुख सचिव पर्यटन अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव वन वी. हेकाली झिमोली, प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान, एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ, विधि सलाकार राजेश सिंह, निदेशक आवास बंधु एवं सचिव आवास शहरी नियोजन डॉ बलकार सिंह, आयुक्त परिवहन किंजल सिंह, सचिव नगर विकास अनुज झा, सचिव वित्त भवानी सिंह खगरौत, सीईओ यीडा राजेश कुमार सिंह, डीआईजी आगरा शैलेश पाण्डेय, जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार मौजूद थे।

कन्हैया की कृपा हुई तो अयोध्या की तरह मथुरा में भी भव्य मंदिर बनेगा

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज श्रीकृष्ण जन्म स्थान से बड़ा संकेत दिया। कहा कि यदि कन्हैया की कृपा हुई तो अयोध्या की तरह यहां भी आगे का काम होगा यानि कि भव्य मंदिर बनेगा। इस घोषणा के साथ पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के कण-कण में श्रीकृष्ण की याद रची बसी है। उन्होंने होली की सभी को बधाई दी।

योगी आदित्यनाथ ने श्री कृष्ण जन्मभूमि के दर्शन किए

श्रीकृष्ण जन्म स्थान के मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह भेंट करते संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सायं श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। वैदिक मंत्रोच्चारण एवं श्रीहरिःनाम संकीर्तन के मध्य दर्शन किए। श्रीकृष्ण-जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत प्रसादी-पटुका ओढ़ाकर एवं पूजाचार्यों ने मंगलार्चन-स्वस्तिवाचन के साथ किया। वैदिक मंत्रों के उच्चारण और मृदंग-मजीरा की ध्वनि के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान केशवदेव महाराज को पुष्पमाला और चंदन अर्पित किया। अष्टभुजा माता योगमाया के दर्शन एवं पूजा-अर्चना करने के बाद श्री गर्भगृह में प्रवेश किया। श्री गर्भगृह में योगी आदित्यनाथ ने तुलसी और पुष्पों से भगवान कृष्ण की पूजा की और वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया। भागवत-भवन में पूजन के बाद श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लीलामंच पर भजन-गायन, रसिया-गायन के कार्यक्रम में झूमते-नाचते हजारों श्रद्धालुजन योगी आदित्यनाथ को अपने मध्य पाकर अभिभूत होकर जय-जयकार करने लगे। श्रद्धालुओं के मध्य जाकर मुख्यमंत्री ने झूमते-नाचते जय-जयकार करते श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की। योगी आदित्यनाथ से प्रसाद रूप में चॉकलेट पाकर बच्चे भी प्रसन्न हो रहे थे।

रूपम टॉकीज के सामने बैरियर लगाकर लोगों को व वाहनों को रोकते पुलिसकर्मी।

सीएम के आने से पहले दो दर्जन नेता और गोस्वामी 'नजरबंद'

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस अलर्ट हो गई थी। पुलिस और इंटेलिजेंस विभाग ने विरोध की किसी भी आशंका को देखते हुए 'ऑपरेशन' चलाया है। इनपुट मिला था कि कुछ संगठन मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने या प्रदर्शन कर सकते हैं। फिर क्या पुलिस ने करीब दो दर्जन से अधिक लोगों को हाउस अरेस्ट (नजरबंद) कर लिया है। इंटेलिजेंस से प्राप्त गोपनीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने सुबह से ही धरपकड़ शुरू कर दी। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर और महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम को उनके आवास पर ही रोक दिया गया है। इसके साथ कांग्रेस कार्यकर्ता अनाम धन्य तिवारी, रालोद नेता गौरव चतुर्वेदी और बबल नाथ चतुर्वेदी पुलिस की निगरानी में रखा गया है। वृंदावन में सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार, सपा युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय को मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जाने से पूर्व ही हाउस अरेस्ट कर लिया। वह वृंदावन के कई मुद्दों पर ज्ञापन देने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि बांके बिहारी मंदिर के पास बिकने वाला पेड़ा जहर के समान है। उसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए। यमुना को प्रदूषण से मुक्ति एवं वृंदावन को जाम से मुक्ति दिलाने की मांग शामिल थी। इस बार राजनीतिज्ञों के साथ-साथ ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के कई गोस्वामियों को भी उनके घरों में नजरबंद किया गया है ताकि वे किसी भी प्रकार का विरोध दर्ज न करा सकें। सूत्रों के अनुसार नजरबंद किए गए लोगों में से कई ऐसे हैं जो मुख्यमंत्री को यमुना शुद्धिकरण के मुद्दे पर ज्ञापन सौंपने की तैयारी कर रहे थे। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। इसके लिए वृन्दावन और मथुरा कोतवाली में भी कई संदिग्धों को बिठाया।

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया है। क्या जनता की समस्याएं मुख्यमंत्री से कहना अपराध है? क्या वे केवल भाजपाइयों के मुख्यमंत्री हैं?" उन्होंने साफ किया कि नजरबंदी से माँ यमुना की मुक्ति का संघर्ष थमने वाला नहीं है।

मुख्यमंत्री आगमन से पहले कांग्रेस महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम पुलिस की निगरानी में।

हाउस अरेस्ट सपा युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय।

कांग्रेसियों का छाता चीनी मिल को लेकर प्रदर्शन

छाता चीनी मिल के पास मौजूद कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन करते हुए।

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए। वहीं पर विपक्षी पार्टियों के नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए लगातार सरकार को घेरने की कोशिश करते रहते हैं। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने जिले में हुए विकास कार्यों पर योगी सरकार को कोसा।

विकास को दिखाने के लिए जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर शनिवार को छाता चीनी मिल दोपहर 2:00 बजे जा पहुंचे और योगी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुकेश धनगर ने बताया यह छाता शुगर मिल कांग्रेस के शासन में चालू हुई थी। कांग्रेस विकास की बातें करती है। इस विधानसभा क्षेत्र के विधायक जो मंत्री हैं,वह मल्टीपरपज प्रोफेशनल हैं। वह हर बार चीनी मिल को मुद्दा बनाकर राजनीति करते हैं। जब वह मंत्री थे बसपा में तब यह छाता शुगर मिल बंद हुई थी, जहां हवा बहती है, वहीं पर वह दरी बिछा देते हैं। भारतीय जनता पार्टी इस मथुरा की भोली भाली जनता के साथ दिखावा और छलावे का काम कर रही है।

यहां का किसान, युवा ,मजदूर व्यापारी अगड़ा पिछला विकास के लिए टकटकी लगाए बैठा है। कहा कि नहीं लगता कि यह शुगर मिल चल पाएगी क्योंकि इनके पास कोई योजना ही नहीं है। विकास का कोई प्लान ही नहीं है। इस मौके पर डॉ. प्रमोद शर्मा, नरेंद्र शर्मा, रतेंद्र सिसोदिया, वीर विक्रम सिंह, हरि बल्लभ, बांके बिहारी ,शाहिद कुरेशी, केशव, सुभाष द्विवेदी, हासिम, मोहित सिसोदिया, धम्मा पहलवान तथा चौधरी परसोत्तम आदि मौजूद थे।

वृंदावन में ब्रह्मोत्सव का आगाज

स्वर्ण पूर्ण कोठी में विराज कर निकले भगवान रंगनाथ

स्वर्ण पूर्ण कोठी में विराजे भगवान रंगनाथ।

यूनक समय, वृदावन। उत्तर भारत के श्री रंगनाथ मंदिर का दस दिवसीय वार्षिक ब्रह्मोत्सव आज सुबह शुरू हो गया। उत्सव के पहले दिन भगवान रंगनाथ अपनी शक्ति माता गोदा (लक्ष्मी जी) के साथ स्वर्ण निर्मित पूर्ण कोठी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। ब्रह्मोत्सव की औपचारिक शुरुआत मंदिर के श्रीमहंत गोवर्धन रंगाचार्य महाराज के सानिध्य में ध्वजारोहण के साथ हुई। मंदिर के पुरोहित विजय मिश्रा ने वैदिक ऋचाओं के बीच भगवान के वाहन गरुड़ का पूजन किया। स्वर्ण पूर्ण कोठी में विराजमान होकर जब भगवान रंगनाथ मादर स बाहर निकल, ता पूरा मार्ग 'जय रंगमन्नार' के उदघोष से गूंज उठा। घोड़े और बैंड-बाजों के साथ यह सवारी मंदिर से 'बड़े बगीचा' पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने आरती उतारकर ठाकुर जी का स्वागत किया। बगीचे में कुछ समय विश्राम और भोग सेवा के उपरांत सवारी पुनः मंदिर लौटी। परंपरा के अनुसार, मुख्य सवारी से पहले शुक्रवार को भगवान के सेनापति विष्वक्सेन ने चांदी की पालकी में सवार होकर मंदिर परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने ब्रह्मोत्सव की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

समाधान दिवस में आई 22 शिकायतें

छाता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते खंड विकास अधिकारी।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी नरेश कुमार ने की। इसमे विद्युत, राजस्व व पुलिस विभाग से संबंधित 22 शिकायत दर्ज की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी में देश-विदेश के विद्वानों ने हिस्सा लिया

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृन्दावन शोध संस्थान में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी के अन्तर्गत दूसरे दिन समापन सत्र में देश-विदेश के विद्वानों ने शिक्षाष्टक के श्लोकों पर केन्द्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए। अमेरिका के एक विश्वविद्यालय से प्रो. अरिंदम चक्रवर्ती ने शिक्षाष्टक पर चर्चा हुए कहा कि श्रीचैतन्य महाप्रभु श्रीराधाकृष्ण मिलित विग्रह है। वे आप्तकाम एवं आत्माराम है। महाभाव से तात्पर्य है विशुद्ध प्रेम। ब्रह्म ने आनंद लेने के लिए स्वयं को दो रूपों में विभाजित किया। आसाम से प्रो. अर्जुनदेवसेन शर्मा ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण अनंदतनु अर्थात आनंद की काया है। चैतन्य महाप्रभु स्वयं अवतार न होकर अवतारी है। वे भी स्वयं भगवान श्रीकृष्ण की चरण रज प्राप्ति की अभिलाषा करते हैं। सोफिया विश्वविद्यालय टोक्यो के प्रो. कियोकाजु ओकिता ने शिक्षाष्टक पर प्रकाश डाला। कहा कि विभिन्न कालक्रमों में इसकी समृद्ध परम्परा दृष्टिगोचर होती है। विभिन्न आचार्यों ने इन पर अपनी-अपनी टीकायें की हैं। द्वितीय सत्र में डॉ. अच्युतलाल भट्ट ने कहा कि श्रीचैतन्य महाप्रभु ने अपनी सुदीप्त, सात्विक तथा महाभाव दशा में जो वचन कहे, उनको शिक्षाष्टक कहा गया। शिक्षाष्टक कांता सम्मत पद्यावली है, इस कारण इसका प्रभाव अधिक होता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. नृत्यगोपाल ने शिक्षाष्टक और अष्टक परंपरा पर प्रकाश डाला। गोष्ठी के समापन सत्र में संस्थान के अध्यक्ष आरडी पालीवाल ने कहा कि शिक्षाष्टक पर जो सार्थक चर्चा हुई उससे हमें प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। देश-विदेशों से जुड़े इन विद्वानों के विचारों को संस्थान द्वारा संकलित कर प्रकाशित किया जाएगा। आचार्य श्रीवत्स गोस्वामी ने शिक्षाष्टक से जुड़ी सूक्ष्म जानकारियाँ चर्चा के दौरान साझा की। संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से संस्थान को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. राजेश शर्मा एवं संचालन डॉ. अभिषेक बोस ने किया।

वृन्दावन शोध संस्थान में आयोजित संगोष्ठी में मौजूद विद्वतजन।

तापमान / मौसम

35 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

19 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,65,000

22 कैरेट 1,51,800

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,70,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)

वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन

14420 — सीवर सफाई के लिए

18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)

0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

मथुरा की नेयंसी गुप्ता बनीं सीए

यूनिक समय, मथुरा। होनहार छात्रा नेयंसी गुप्ता ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर शहर का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जैसे ही उनके सीए बनने की खबर मिली, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। परिवारिजनों का कहना है कि नेयंसी ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है।

मार्च में रविवार व द्वितीय शनिवार को भी खुलेंगे कर विभाग के कार्यालय

यूनिक समय, मथुरा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति में अब एक माह से भी कम समय शेष रह गया है। इसे देखते हुए मार्च 2026 के सभी रविवार तथा द्वितीय शनिवार को भी कर विभाग के कार्यालय अन्य कार्यदिवसों की तरह खुले रहेंगे और नियमित रूप से कार्य किया जाएगा। कर विभाग की ओर से भवन स्वामियों से अपील की गई है कि वे अपने भवन का गृहकर एवं जलकर समय रहते जमा करा दें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि मार्च 2026 तक बकाया कर जमा नहीं कराया गया तो उसके बाद भवन स्वामियों को बकाया धनराशि पर नियमानुसार ब्याज सहित भुगतान करना होगा। इसलिए सभी भवन स्वामी समय रहते अपने कर का भुगतान कर दें।

नौहझील और बाजना के युवाओं का 'सफर' बना 'संघर्ष'

सीधी बस सेवा न होने से नौकरीपेशा और छात्र परेशान

संवाददाता

यूनिक समय, बाजना। उत्तर प्रदेश और हरियाणा की सीमा से सटे मथुरा जिले के नौहझील और बाजना क्षेत्र के विकास के दावों के बीच, यहाँ के युवाओं के लिए रोजगार की राह बेहद पथरीली साबित हो रही है। क्षेत्र के सैकड़ों युवक-युवतियां प्रतिदिन फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और पलवल की औद्योगिक इकाइयों और संस्थानों में नौकरी के लिए जाते हैं, लेकिन परिवहन निगम की उदासीनता के कारण उन्हें 'टुकड़ों' में सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा है। वर्तमान में नौहझील या बाजना से फरीदाबाद जाने के लिए कोई सीधी सरकारी बस सेवा उपलब्ध नहीं है। युवाओं को पहले निजी वाहनों

या डग्गेमार गाड़ियों से पलवल या अन्य कस्बों तक जाना पड़ता है, फिर वहाँ से वाहन बदलकर अपने गंतव्य तक पहुँचते हैं।

क्षेत्र के व्यक्तियों का कहना है कि हमें सुबह जल्दी निकलना पड़ता है और रास्ते में दो-तीन जगह गाड़ियाँ बदलनी पड़ती हैं। अगर सीधी बस सेवा शुरू हो जाए, तो हमारे रोजाना के कम से कम

बाजना-नौहझील से फरीदाबाद और पलवल के लिए टुकड़ों में सफर करने की मजबूरी

समय की बर्बादी से जूझ रहे सैकड़ों युवा

2 से 3 घंटे बच सकते हैं।" यह समस्या केवल समय तक सीमित नहीं है। बड़ी संख्या में युवतियां भी इस मार्ग पर सफर करती हैं।

सीधी बस सेवा न होने के कारण उन्हें डग्गेमार वाहनों का सहारा लेना पड़ता है, जो न केवल असुरक्षित हैं बल्कि उनमें भीड़भाड़ भी अधिक होती है। नौहझील-बाजना से वाया पलवल होते हुए फरीदाबाद तक रोडवेज बसें चलाई जाएं।

समय सारणीः सुबह और शाम के समय (शिफ्ट टाइमिंग के अनुसार) बसों के फेरे बढ़ाए जाएं। छात्र पास की सुविधाः जो युवा पढ़ाई के लिए जा रहे हैं, उन्हें एमएसटी की सुविधा मिले। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं ने प्रशासन से मांग की है कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के अधिकारी इस रूट पर गंभीरता से विचार करे। यदि यहाँ से सीधी बस सेवा शुरू होती है, तो न केवल सैकड़ों परिवारों को राहत मिलेगी, बल्कि सरकार के राजस्व में भी बढ़ोत्तरी होगी।

श्री बृज महोत्सव समिति परिवार ने मनाया होली मिलन

श्री बृज महोत्सव समिति परिवार की सदस्याएं होली मिलन समारोह में हंसी ठिठोली करती हुईं।

यूनिक समय, मथुरा। श्री बृज महोत्सव समिति परिवार द्वारा श्री चद्रिंका ग्रीन रिजॉर्ट में होली मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। समारोह में रश्मि अग्रवाल एवं कृष्णा अग्रवाल द्वारा भिन्न-भिन्न प्रकार के खेल कराए गए। समिति की महिलाओं-ऊषा अग्रवाल, बीना अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, और आशा अग्रवाल ने अनिरुद्धाचार्य महाराज की भूमिका में बनी कल्पना अग्रवाल से अपने दुख-दर्द से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका महाराज ने बखूबी समाधान किया और सभी को खूब हंसाया। रजनी अग्रवाल और कनिका अग्रवाल के मनमोहक नृत्य ने उपस्थित सभी का मन मोह लिया। हाउजी गेम में विभिन्न भाषाओं के मजेदार प्रयोग ने कार्यक्रम में और रंग भर दिया। परिवार के सदस्यों ने फूलों की होली खेलकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में वंशीधर घड़ी वाले, राधासरन लोहे वाले, मुरारीलाल, उमेश प्रेस वाले, सुरेश प्रेस वाले, उमेश गुडेरा, उमेश जौहरी, बालकिशन संजीव राधा आर्किड, रमनलाल गुप्ता, गणेश वाष्णैय, नीति, निशा, स्नेहलता, गौरी आदि। अनिल अग्रवाल (प्रेस वाले) ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद प्रकट किया।

जहरखुरानी करने वाले को आठ वर्ष का कठोर कारावास

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं को नशीला पदार्थ खिला कर उनका कीमती सामान लूटने वाले को एडीजे सप्तम विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट विद्या भूषण पाण्डेय की अदालत ने आठ वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी विशेष लोक अभियोजक रामवीर सिंह ने की। वृंदावन कोतवाली में तैनात तत्कालीन उप निरीक्षक बरमेश्वर मिश्र ने 22 दिसंबर 2011 की रात को गश्त के दौरान वृंदावन बस स्टैण्ड के पास से दीपक गौर उर्फ दीपू पुत्र बृजमोहन निवासी गोधूलिपुरम चामुण्डा मंदिर के पीछे वृंदावन को नशीले पाउडर के साथ गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 400 ग्राम नशीला पाउडर डायजापाम बरामद हुआ था। पुलिस की पूछताछ में दीपक गौर उर्फ दीपू ने स्वीकार किया था, कि वह ब्रज दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं को विश्वास में लेकर उनके खाद्य पदार्थ में नशील पाउडर मिला कर उन्हें अचेत कर देता, उसके बाद उनका कीमती सामान आदि लूटकर फरार हो जाता। वृंदावन पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय

अदालत ने एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

नशीला पदार्थ खिला कर श्रद्धालुओं से करता था लूटपाट

में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे सप्तम विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट विद्या भूषण पाण्डेय की अदालत में हुई।

विशेष लोक अभियोजक रामवीर सिंह ने बताया कि अदालत ने दीपक गौर उर्फ दीपू को श्रद्धालुओं संग जहर खुरानी कर उनका कीमती सामान आदि लूटने का दोषी करार देते हुए आठ वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। अभियुक्त जमानत पर था। निर्णय सुनाए जाने के बाद अदालत ने उसका सजाई वारंट बना उसे सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया। अर्थदण्ड अदा नहीं करने पर उसे एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने निकाली बरसाना में रैली

बरसाना में निकाली रैली में शामिल बाबूलाल महाविद्यालय के विद्यार्थी।

यूनिक समय, बरसाना/ गोवर्धन। श्री बाबू लाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने बरसाना में स्थित नवल वाटिका में सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया। प्रथम दिवस नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पदम फौजी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली नगर पंचायत कार्यालय से होकर मथुरा गोवर्धन मार्ग से बरसाना मुख्य बाजार, रंगीली गली मोड़, ठाकुर मोहल्ला, सेल्फी पॉइंट से पीली कोठी होते हुए नवल वाटिका पहुंची। रैली में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, पढ़ी-लिखी लड़की रोशनी घर की, एक वृक्ष दस पुत्र समान, क्लीन बरसाना ग्रीन बरसाना आदि नारों से माहौल गुंजायमान हो गया। कार्यक्रम की सफलता के लिए श्री बाबू लाल शिक्षण संस्थान समूह के निदेशक एडवोकेट नंदकिशोर शर्मा तथा श्री बाबू लाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लीविस कुलश्रेष्ठ ने बधाई दी। रैली के बाद हुए वाद विवाद प्रतियोगिता में सचिन सिंह ने प्रथम, रिमझिम शर्मा ने द्वितीय स्थान पाया। कार्यक्रम में कंप्यूटर ऑपरेटर गौरव शर्मा, विजेंद्र सिंह, प्राध्यापक योगेंद्र प्रसाद गोयल, शकील अहमद, विमलेश सिकरवार तथा सुमन बघेल उपस्थित थे। संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धीरज कौशिक ने किया।

शातिर चोर डोली उठने से पहले दहेज ले उड़े चोर

यूनिक समय, गोवर्धन। शातिर चोरों ने एक पिता के अरमानों पर पानी फेर दिया। मामला थाना क्षेत्र के ग्राम अन्यौर का है। यहाँ के निवासी कृष्णा अपनी दो बेटियों की शादी की तैयारियों में दिन-रात एक किए हुए थे। मैरिज होम में हलवाई मिठाइयां बना रहे थे। मेहमानों का आना शुरू हो चुका था। कृष्णा ने अपनी दोनों बेटियों और दामादों को उपहार स्वरूप देने के लिए दो ब्रांडेड न्यू अपाचे बाइक मंगवाई थीं। लेकिन किसे पता था कि इन बाइकों पर चोरों की नजर पहले से ही थी। शादी से ठीक एक दिन पहले, जब पूरा परिवार काम में व्यस्त था, चोरों ने दिनदहाड़े मैरिज होम में सेंध लगाई और एक बाइक लेकर

गोवर्धन के मैरिज होम से अपाचे को ले उड़े शातिर चोर

रफूचक्कर हो गए। चोरी की यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इसका वीडियो शनिवार की सुबह 10 बजे सामने आया है। फिलहाल पुलिस को सूचना दे दी गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश जारी है। लेकिन सवाल वही है कि आखिर त्यौहारों और शादियों के इस सीजन में आम आदमी की गाढ़ी कमाई कब तक इन चोरों का निशाना बनती रहेगी।

महिला दिवस पर विशेष

मुस्कान, संघर्ष और सफलता की कहानी है नारी

महिलाएं हर क्षेत्र में लिख रहीं सफलता की नई इबारत

यूनिक समय, मथुरा। हर साल 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि नारी की शक्ति, संघर्ष और उपलब्धियों को सलाम करने का दिन है। आज की नारी घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ समाज, शिक्षा, राजनीति, खेल और व्यवसाय जैसे हर क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रही है। एक समय था जब महिलाओं को सीमित अवसर मिलते थे, लेकिन आज वे अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और हौसले के दम पर हर बाधा को पार कर रही हैं। एक माँ के रूप में वह परिवार को संवारती है, एक बेटी के रूप में सपनों को पंख देती है और एक कर्मठ महिला के रूप में समाज को नई दिशा देती है।

शिप्रा राठी रोजगार दीदी ने बताया कि महिला दिवस हमें याद दिलाता है कि हर महिला के भीतर अपार शक्ति, प्रतिभा और संभावनाएं होती हैं। जब महिलाओं को शिक्षा, हुनर और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तो वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज के विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। आइए इस महिला दिवस पर संकल्प लें कि हर बेटी को सीखने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने का समान अवसर मिलेगा। सशक्त नारी ही सशक्त समाज की मजबूत आधारशिला है।

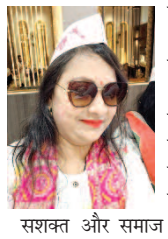

नम्रता कसेरे ने बताया कि नारी केवल परिवार की शक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की प्रेरणा भी है। अपने साहस, मेहनत और समर्पण से महिलाएँ हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। आज की नारी आत्मनिर्भर, सशक्त और समाज के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला बन चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस विशेष अवसर पर सभी माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। आइए, हम सब मिलकर महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण को और मजबूत बनाने का संकल्प लें।

इशा अग्रवाल ने कहना है कि नारी त्याग, प्रेम और समर्पण की अद्भुत मिसाल है। वह परिवार की शक्ति होने के साथ-साथ समाज की प्रेरणा भी है। अपने साहस, मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर महिलाएँ आज हर क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं और सफलता की नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। आइए, हम सब मिलकर नारी सम्मान, समान अवसर और उनके सशक्त भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लें।

महिला दिवस हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल संवेदनशीलता की प्रतीक नहीं, बल्कि साहस और बदलाव की शक्ति भी है। यह दिन महिलाओं के सम्मान, समान अवसर और सशक्त भविष्य के संकल्प को मजबूत करने का अवसर है, ताकि हर बेटी अपने सपनों को खुलकर जी सके।

हेमा सारस्वत का कहना है कि "जिस घर में नारी मुस्कुराती है, वहीं से खुशियों की शुरुआत होती है।" नारी प्रेम, त्याग और शक्ति का प्रतीक है, जो परिवार और समाज दोनों को संवारती है। अपने साहस, धैर्य और समर्पण से महिलाएँ जीवन के हर क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। आइए, हम नारी के सम्मान, समान अधिकार और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकल्प लें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और समाज में उनके योगदान को पहचान देना है। महिला दिवस लोगों को यह याद दिलाता है कि महिलाओं को भी पुरुषों के समान अवसर, शिक्षा और सम्मान मिलना चाहिए। इस दिन स्कूल, कॉलेज और विभिन्न संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित किया जाता है।

साल 2026 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम **"Give To Gain"** है। इसका अर्थ है कि जब हम महिलाओं को अवसर, समर्थन और सम्मान देते हैं, तो पूरा समाज प्रगति करता है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के अवसर देने से देश और समाज दोनों मजबूत बनते हैं। इसलिए महिला दिवस हमें यह संदेश देता है कि हमें महिलाओं का सम्मान करना चाहिए और उनके अधिकारों के लिए हमेशा जागरूक रहना चाहिए।

- चीनू जैन

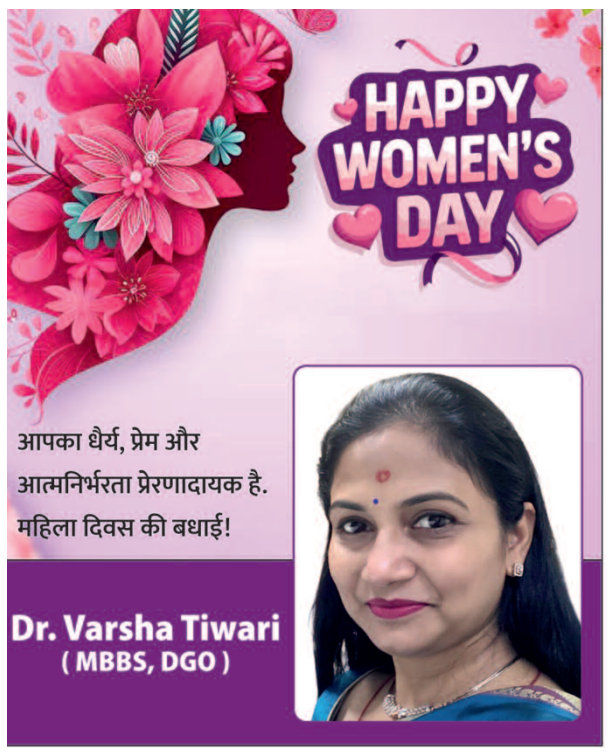

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्यनीय माताजी श्रीमती प्रेम देवी पत्नी स्व. श्री कांतीलाल खण्डेलवाल का गोलोकवास दिनांक 06.03.2026 को हो गया है। उठावनी आज दिनांक 08.03.2026 दिन रविवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 2 से 3 बजे तक गिर्राज मन्दिर,डीग गेट पुलिस चौकी के पास, मथुरा पर होगी।

स्व. श्रीमती प्रेम देवी जी

शोकाकुलः- जयन्त-पपलेश, इन्दू-मधु, स्व. राजन-प्रभा (पुत्र-पुत्रवधू) रानी-राजेन्द्र खण्डेलवाल (पुत्री-दामाद) अंशुल-सोनल, साहिल-राखी (पौत्र-पौत्रवधू) राहुल, नितिन, गोविन्द, कार्तिक (पौत्र) आदविक, शिवाय, जियान्श, मानविक (पड़पोता) एवं समस्त ठाकुरिया परिवार।

•साई इंडस्ट्रीज (अलवर) • श्री राम एजेन्सीज (अलवर)
मो. 8433475161, 8070788888, 8741020202, 8740020202

सात दिवसीय विशेष शिविर में ध्यान योग साधना की

सात दिवसीय विशेष शिविर के द्वितीय दिवस ध्यान योग साधना करते विद्यार्थी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी कॉलेज के स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाओं का राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय (दिन-रात) विशेष शिविर का द्वितीय दिवस बीआईएमटी कैम्पस में आयोजित किया। शिविर की दैनिक शुरुआत ध्यान योग साधना के साथ हुई। इसके बाद चयनित स्थलों की साफ-सफाई की। 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शपथ लेते हुए चयनित बस्ती में जनजागरूकता रैली निकाली। छात्र-छात्राओं ने "हम सब ने मिलकर ठाना है, भारत को नशा मुक्त बनाना है" जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. बीरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. विवेक शर्मा, श्रीमती मृदुला पाण्डेय, पवित्र गोस्वामी, सुभाष कृष्ण सरकार तथा सौरभ कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे।

विश्व महिला दिवस पर जायंट्स ग्रुप की महिला सशक्तिकरण पहल

जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा का संचालक मंडल आगामी सामाजिक कार्य योजनाओं पर विचार करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा की बोर्ड बैठक एनएच-2 स्थित एक होटल में आयोजित की गई, जिसमें विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया गया। मार्गदर्शक डॉ. अशोक अग्रवाल ने बताया कि संस्था छह युवतियों को निःशुल्क रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की पहल करेगी। प्रशासनिक निदेशक मनमोहन गुप्ता ने बताया कि युवतियों को आकाश नगर, गोवर्धन चौराहे स्थित भारत सरकार से मान्यता प्राप्त फ्रैंकलीन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में होटल प्रबंधन का डिप्लोमा कराया जाएगा, जिस पर सभी सदस्यों की सहमति बनी। अध्यक्ष प्रदीप फौजदार ने कहा कि कोर्स अवधि के दौरान संस्था युवतियों को उचित मानदेय भी देगी और प्रशिक्षण के बाद उन्हें पांच सितारा स्तर के होटलों में रोजगार दिलाने का प्रयास किया जाएगा। प्रथम महिला मिताली फौजदार ने बताया कि 12वीं पास और 18 वर्ष से अधिक आयु की इच्छुक युवतियां मोबाइल नंबर 9837802508 पर संपर्क कर सकती हैं या संस्थान जाकर जानकारी प्राप्त कर सकती हैं। बैठक में पीयूष जैन, डॉ. डी.डी. गर्ग, रवि गर्ग, गिरीश अग्रवाल, मनीष अरोड़ा, अंशुल अग्रवाल, नितेश खंडेलवाल और सौरभ अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर कल महिलाएं सम्मानित होंगी

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने कहा कि आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाएगा। समिति की तरफ से आयोजित सम्मान समारोह में अलग-अलग क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली महिला और युवतियों को सम्मानित किया जाएगा। महिला प्रदेश अध्यक्ष श्वेता शर्मा ने कहा कि विचार विमर्श के बाद छह युवतियों को सम्मान समारोह में शामिल किया गया है।

जीएलए ग्रेटर नोएडा और सीआईआई के मध्य हुआ एमओयू

यूनिक समय, नोएडा। जीएलए विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा ने शिक्षा में व्यावहारिक अनुभव और उद्योग–सम्बन्धी कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के साथ एक व्यापक साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत विश्वविद्यालय राष्ट्रीय डीएक्स–एज कार्यक्रम के अंतर्गत डिजिटल परिवर्तन सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिससे छात्रों को भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को डिजिटल तकनीकों को अपनाने में मदद करने का वास्तविक अनुभव मिलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के डिजिटल परिवर्तन और स्थानीय व्यवसायों के विकास में छात्रों की भागीदारी को बढ़ाना है। इसके अंतर्गत छात्रों को डिजिटल परिवर्तन सहयोगी के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे केवल कक्षा में पढ़ाई तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि स्थानीय व्यवसायों के साथ मिलकर उनकी डिजिटल जरूरतों का मूल्यांकन करेंगे, तकनीकी चुनौतियों की पहचान करेंगे और उनके लिए उपयुक्त समाधान तैयार करेंगे। प्रो वाइस चांसलर प्रो. दिवाकर भारद्वाज ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को वास्तविक व्यावसायिक माहौल में काम करने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे वे अध्ययन सामग्री को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों में लागू करना सीखेंगे। छात्रों को व्यवसायों के डिजिटल संक्रमण, उनके संचालन की दक्षता, आपूर्ति–शृंखला प्रबंधन, ग्राहक विश्लेषण और डेटा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रयोग करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक छात्र कई परियोजनाओं पर काम करेगा और एक ऐसा पेशेवर पोर्टफोलियो बनाएगा जो भविष्य के नियोक्ताओं के सामने उनके कौशल को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करेगा। इस पहल में संकाय सदस्य केवल पर्यवेक्षक नहीं रहेंगे, बल्कि सक्रिय मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेंगे। इससे सुनिश्चित होगा कि पाठ्यक्रम उद्योग की नवीनतम तकनीकी प्रवृत्तियों के अनुरूप बना रहे। विश्वविद्यालय ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और डाटा एनालिटिक्स जैसे उभरते तकनीकी क्षेत्रों पर नियमित कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करने की भी प्रतिबद्धता जताई है। जो छात्र कार्यशाला के सभी चरण व्यवसाय का आकलन, डिजिटल रणनीति तैयार करना और उसके कार्यान्वयन पूर्ण करेंगे, उन्हें सीआईआई द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जो भारतीय उद्योग जगत में मान्यता प्राप्त है। हालांकि छात्रों के लिए असली मूल्य अनुभव प्राप्त करना और वास्तविक परियोजनाओं पर काम करना ही होगा। डीएक्स–एज पहल एक राष्ट्रीय मिशन है जिसे नीति आयोग तथा ऑल इंडिया कॉउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा समर्थित किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य विकसित भारत 2047 के रूप में डिजिटल सशक्त और आत्मनिर्भर उद्यमशील सामाजिक ढांचे का निर्माण है। इस साझेदारी के माध्यम से जीएलए, ग्रेटर नोएडा उन चुनिंदा शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है जो देश भर में डिजिटल क्रांति के नेतृत्व में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं। यह पहल न केवल छात्रों के लिए सीखने का अवसर है, बल्कि स्थानीय व्यवसायों के लिए भी अत्याधुनिक और किफायती तकनीकी सहायता प्रदान करती है, जिससे वे अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास क्षमता को बढ़ा सकते हैं। प्रारंभिक चरण में चयनित छात्रों और संकाय को गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा, और कुछ ही महीनों में डिजिटल परिवर्तन सुविधा केंद्र ग्रेटर नोएडा तथा आसपास के एमएसएमई के साथ सक्रिय रूप से जुड़ जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. सचिन राठौर इस पहल के लिए प्रतिनिधि होंगे, जबकि सीआईआई की ओर से शिवाजी सेन, प्रधान डिजिटल सहभागिता, इस कार्यक्रम का संचालन करेंगे। यह पहल युवाओं को न केवल नौकरी के लिए तैयार करेगी, बल्कि उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाएगी।

जीएलए ग्रेटर नोएडा राष्ट्रीय डिजिटल पहल के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त करेगा

वेटरनरी में इंटर्नशिप करने वाले डॉक्टरों ने दिया धरना

प्रदेश में मानदेय तीन हजार और दूसरे प्रदेशों में 24 से 30

वेटरनरी प्रशासन पांच साल से भेज रहा है रिमांडर

कार्यालय संवाददाता

धरने पर बैठे डॉक्टर।

यूनिक समय, मथुरा। सरकार द्वारा वेटरनरी के डॉक्टरों को इंटर्नशिप की धन राशि दूसरे राज्यों की अपेक्षा काफी कम दिए जाने पर वेटरनरी स्टूडेंडो ने कॉलेज के कोठारी पर आज शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन किया। इंटर्नशिप की धन राशि को बढ़ाए जाने की मांग की।

वेटरनरी कॉलेज में अध्ययन करने वाले स्टूडेंट्स को साढ़े चार साल की पढ़ाई करने के बाद एक साल की इंटर्नशिप करनी होती है। इंटर्नशिप के लिए दिया जाने वाला मानदेय के रूप में तीन हजार रुपये दिए जाते हैं। स्टूडेंट का कहना है कि दूसरे राज्यों में वेटरनरी के इंटर्नशिप करने वाले डॉक्टरों को 24 से लेकर 30 हजार रुपये दिए जाते हैं। डॉक्टरों के साथ इस तरह का सौतेला व्यवहार क्यों है। इस बात से आक्रोशित इंटर्नशिप करने वाले डॉक्टरों और वेटनरी के स्टूडेंट्स ने आज अपनी इस मांग को लेकर कोठारी पर धरना प्रदर्शन किया।

कॉलेज के डीन ने धरना दे रहे स्टूडेंट्स को बताया कि पांच साल से लगातार इस मामले में डॉक्टरों के मानदेय को बढ़ाने के लिए सरकार को रिमांडर भेजे जा चुके हैं। इसके बाद भी इस मामले में कोई कार्रवाई सरकार द्वारा नहीं की गई है। कॉलेज प्रशासन के लोग इस मामले में कई बार अधिकारियों से मिल चुके हैं।

विश्व कप फाइनल मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्सुकता बढ़ी

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को अहमदाबाद में होने वाले भारत–न्यूजीलैंड के बीच टी–20 विश्व कप फाइनल मैच को लेकर जिले के क्रिकेट प्रेमियों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। रविवार की छुट्टी होने के कारण क्रिकेट प्रेमियों ने अपने घरों के टीवी को फिट करा लिया है। कई संगठनों ने क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष स्थल पर बड़ी स्क्रीनिंग लगवाने का निर्णय लिया है। अग्रवाल क्लब परिवार ने अपने सदस्यों के लिए होटल हीरा कोर्टयार्ड पर विशेष इंतजाम किया है। अग्रवाल क्लब परिवार के अध्यक्ष दिलीप गर्ग ने बताया कि मैच के प्रति सभी सदस्यों की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए बड़ी स्क्रीन पर लगाई जाएगी।

अभिषेक पाराशर बने मनकामेश्वरी मेला कमेटी के अध्यक्ष

यूनिक समय, राया (मथुरा)। श्री मनकामेश्वरी मेला कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से अभिषेक पाराशर को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। गणेशबाग स्थित मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में रविकांत वर्मा को महामंत्री एवं कुलदीप शास्त्री को कोषाध्यक्ष चुना गया। कमेटी अध्यक्ष अभिषेक पाराशर ने बताया कि 18 मार्च से माता मनकामेश्वरी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही चैत्र नवरात्रि मेला प्रारंभ हो जायेगा।

कान्हा माखन परिवार का सामूहिक विवाह समारोह सम्पन्न

सामूहिक विवाह समारोह में नवदंपतियों के साथ पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन परिवार के तत्वावधान में सामूहिक विवाह समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने हेतु मथुरा विधायक श्रीकांत शर्मा, महंत बलराम बाबा और महामंडलेश्वर नवल गिरि जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सभी नवदंपत्तियों को सुखी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम में सामाजिक एकता और सहयोग की भावना देखने को मिली, जिसमें समाज के अनेक लोग शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को बधाई दी। इसी क्रम में परिवार ने 6 एवं 7 मार्च को शाम 6 बजे से सर्वसमाज के लिए विशाल भंडारा/भोज का आयोजन किया, जिसमें लगभग 10,000 लोगों के लिए भोजन व्यवस्था की गई। इस अवसर पर सुनील अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल और ललित अग्रवाल सहित अन्य परिवारजन और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिले के 36 केंद्रों पर हाईस्कूल–इंटर की परीक्षा हुई

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में शनिवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शांतिपूर्ण सम्पन्न हुईं। प्रथम पाली में हाईस्कूल की वाणिज्य विषय तथा इंटरमीडिएट की व्यवसायिक विषयों की परीक्षा जिले के 36 परीक्षा केंद्रों पर कराई गई। प्रशासन की कड़ी निगरानी और उड़नदस्तों की सक्रियता के बीच परीक्षा पूरी तरह से संपन्न हुई। हाईस्कूल की परीक्षा में कुल 786 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 762 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि 24 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार इंटरमीडिएट की व्यवसायिक विषयों की परीक्षा में कुल 523 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 504 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 19 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक के अनुसार सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक कराई गई है। किसी भी परीक्षा केंद्र से नकल सामग्री की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई।

जतीपुरा कदमखंडी आश्रम के महंत बने चैतन्य कृष्ण दास

जतीपुरा में कदमखंडी आश्रम के महंत चैतन्य कृष्ण दास का स्वागत करते विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह, पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज।

यूनिक समय, गोवर्धन। जतीपुरा स्थित कदमखंडी आश्रम में आयोजित महंताई समारोह में चैतन्य कृष्ण दास परिक्रमा वाले बाबा को आश्रम का नया महंत बनाया है। कदमखंडी आश्रम के नए महंत का स्वागत मुख्य अतिथि श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी के पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज एवं विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने किया। महंत केशव दास ने बताया कि गौडीय वैष्णव विरक्त परम्परा में प्राचीन समय से ही कदमबखंडी आश्रम में बृजवासियों से माधुकरी कर साधुसंतो ने भजन ध्यान किया है। भक्ति एवं सेवा की भावना को नए महंत चैतन्य कृष्ण दास आगे बढ़ाएंगे। विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने कहा कि महंत बने चैतन्य कृष्ण दास परिक्रमा वाले बाबा बृज की विभूति हैं। उनके अनुसरण में संत गिरिराज जी की तीन व दो परिक्रमा करते हैं। कदमबखंडी के नए महंत बने चैतन्य कृष्ण दास बाबा ने बताया कि जगदानंद दास के गोलोकवासी होने के बाद आश्रम में सेवा की जिम्मेदारी दी है। वे इसे संत सेवा एवं भक्ति की भावना से आगे बढ़ाएंगे। संचालन कृष्ण दास महाराज ने किया।

भक्ति एवं सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे : चैतन्य कृष्ण दास

इंटरनेशनल कम्प्यूटर ओलम्पियाड में आरआईएस की आश्विका किशोर की पहली रैंक

छात्रा ने गोल्ड मेडल और कैश प्राइज जीतकर फहराया परचम

आश्विका किशोर

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा दो की होनहार छात्रा आश्विका किशोर ने इंटरनेशनल कम्प्यूटर ओलम्पियाड में 99.78 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर ब्रज मण्डल का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि के लिए आश्विका को स्वर्ण पदक, प्रशस्ति पत्र और 1000 रुपये का गिफ्ट वाउचर प्रदान किया गया। प्रधानाचार्या प्रिया मदान ने बताया कि राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र–छात्राएं लगातार हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आश्विका किशोर ने रीजनल स्तर पर भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था और यह साबित किया कि सफलता उम्र की मोहताज नहीं होती। प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में सफलता के लिए विशेष प्रयत्न आवश्यक हैं और ज्ञान के प्रकाश से ही दुनिया रोशन होती है। स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने छात्रा की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह क्षेत्र है जहां हर समस्या का समाधान है। श्री अग्रवाल ने आश्विका किशोर की सफलता को उसकी मेहनत, दृढ़ संकल्प और अनुशासन का परिणाम बताया और माता–पिता को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे होनहार बच्चों का सम्मान होना चाहिए जो पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेकर अपने विद्यालय और शहर का गौरव बढ़ाते हैं। इस सफलता से पूरे विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है और आश्विका किशोर ने न केवल ब्रज बल्कि पूरे प्रदेश का नाम गर्व के साथ उजागर किया।

गन्ने का जूस इन लोगों के लिए जहर है

बढ़ जाएंगी खतरनाक बीमारियां

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों के दौरान लोग सबसे ज्यादा गन्ने का रस पीते हैं। कुछ लोग तेज धूप और प्यास से राहत पाने के लिए गन्ने का रस पीते हैं। हम सभी गन्ने का जूस तो पी लेते हैं, लेकिन इसके नुकसान के बारे में नहीं जानते हैं। आइए आपको बताते हैं किन लोगों को भूलकर नहीं पीना चाहिए गन्ने का जूस।

गन्ने का रस सबसे ज्यादा पिया जाता है और यह एक प्राकृतिक पेय है, जिसका स्वाद दुनिया भर में अपने ताजगी और कई स्वास्थ्य लाभों के लिए लिया जाता है। गन्ने के जूस में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे ज़रूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे अक्सर ऊर्जा बढ़ाने वाले और डिहाइड्रेशन के लिए एक प्राकृतिक उपचार के रूप में सेवन किया जाता है।

हालांकि, इसके कई फायदों के बावजूद, गन्ने के रस के अत्यधिक सेवन से कुछ साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इनमें ज्यादा चीनी की मात्रा शामिल हो सकती है जिससे ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि, पाचन संबंधी समस्याएं और अगर स्वच्छता से जूस तैयार न किया जाए तो संभावित डायरिया के जोखिम हो सकते हैं। आइए आपको बताते हैं अत्यधिक गन्ने का जूस सेवन करने से क्या होता है?

मोटापा: गन्ने के जूस में कैलोरी सबसे अधिक होती है और शर्करा की मात्रा भी सबसे अधिक होती है, जिस वजह से व्यक्ति के लिए मोटापा का खतरा बढ़ जाता है। कई शोध मे पता चला है कि गनने के जूस में लगभग 270 कैलोरी और लगभग 100 ग्राम चीनी की मात्रा होती है। इसके नियमित सेवन से मोटापा का खतरा बढ़ जाता है।

डायबिटीज : गन्ने के जूस पीने से डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। गन्ने के रस में प्राकृतिक रूप से अधिक मात्रा में चीनी होती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल तेजी बढ़ जाता है।

कोलेस्ट्रालः यदि आपका कोलेस्ट्राल बढ़ गया है, तो गन्ने का रस का सेवन ना करें। इसके नियमित सेवन से बैड कोलेस्ट्राल अधिक मात्रा में बढ़ गया है। अधिक चीनी के सेवन करने से लिवर को एलडीएल कोलेस्ट्राल (बैड कोलेस्ट्राल) बनने लगता है, जिससे एचडीएल कोलेस्ट्राल (गुड कोलेस्ट्राल) कम हो जाता है।

अनिद्रा की शिकायतः अगर आप स्ट्रेस या अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आप गन्ने का जूस का सेवन ना करें। गन्ने के रस में पाया जाने वाला पोलीकोसैनॉल नींद ना आने कारण हो सकता है। जिससे व्यक्ति की अनिद्रा की समस्या बढ़ जाती है।

दांतों में कैविटी : अधिक गन्ने का जूस पीने से दांतो में कैविटी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। गन्ने की मिठास की वजह से कैविटी की समस्या और बढ़ जाएगी।

दक्षिण भारत के इन नेशनल पार्कों में करें रोमांचक सफर

यूनिक समय, मथुरा। नेशनल पार्क घूमने के लिए सबसे बेहतरीन है। यहां अपने बच्चों को भी साथ लेकर जा सकते हैं। नेशनल पार्क में एशियाई हाथी, बंगाल टाइगर शेर और तेंदुए से लेकर विभिन्न पक्षी प्रजातियों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां पर एकदम शांत वातावरण और रोमांच से भरपूर एक्सपीरियंस मिलता है। आइए आपको इस लेख में बताते हैं साउथ के सस्ते नेशनल पार्क के बारे में–

भारत में कुछ सबसे विविध और लुभावने वन्यजीव अभयारण्य और नेशनल पार्क हैं, जो इसे जंगल सफारी के शौकीनों के लिए स्वर्ग बनाते हैं। ऐसे ही साउथ में मौजूद है नेशनल पार्क, जहां के घने जंगलों और हरी–भरी हरियाली मौजूद है। अगर आप भी साउथ के सस्ते नेशनल पार्क की सफारी करना चाहते हैं, तो आप यहां जरूर जाएं। इस लेख में हम आपको दक्षिण भारत के नेशनल पार्क के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

दक्षिण भारत के फेमस नेशनल पार्क

बांदीपुर नेशनल पार्क (कर्नाटक): हरियाली और जंगल सफारी करने का मजा अलग ही होता है। जीप में बैठकर आपको करीब से वन्यजीवों को देखने का मौका मिलेगा। इस पार्क की एंट्री फीस प्रति व्यक्ति 350 रुपये है। अगर जीप सफारी करते हैं, तो 3000 रुपये देने होंगे। इसके अतिरिक्त आप शेयरिंग बस में सफर करते हैं, तो प्रति व्यक्ति 100 रुपये लगते हैं।

पेरियार नेशनल पार्क (केरल): इस नेशनल पार्क में झील मौजूद है, जहां आप बोट का आनंद ले सकते हैं। आपको बता दें कि, यह जगहकेरल के इडुक्की और पथनमथिट्टा जिले में स्थित है। पेरियार नेशनल पार्क की एंट्री फीस– प्रति व्यक्ति 155 रुपये है। नेशनल पार्क में जाने का समय सुबह 7 बजे से 10:00 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है। वही, सफारी शुल्क– प्रति व्यक्ति लगभग 150 से 200 रुपये तक है।

मुदुमलाई नेशनल पार्क (तमिलनाडु): साउथ के फेमस नेशनल पार्क में से एक है मुदुमलाई नेशनल पार्क। यहां पर हाथियों की बड़ी आबादी आपको देखने को मिलेगी। इस जगह पर बच्चों को जरूर ले जाएं। आपको बता दें कि, यहां ग्रुप जीप सफारी होती है, जिसकी कीमत कमी के हिसाब से तय की जाती है। इसका किराया 5000 से 5500 रुपये है।

समर सीजन में इस तरह से रखें पुदीने के पौधे का ख्याल

गर्मियों में इस मजेदार चटनी का लें स्वाद

यूनिक समय, मथुरा। हम सभी के घरों में छत पर या घर के आंगन में गार्डन जरूर होता है। इस छोटे से गार्डन में सब्जी–फलों के पौधे जरूर लगे होते हैं। गर्मियों का मौसम शुरू हो चुका है ऐसे में आपके घर में पुदीना का पौधा जरूर होगा। अगर आप इस समय अच्छे से पुदीने पौधे की देखभाल कर लेंगे तो आपको पूरी गर्मियों में पुदीने के पत्तों का इस्तेमाल तरह–तरह की डिश में कर सकती हैं।

पुदीना ताजगी से भरपूर एक जड़ी–बूटी है जो गर्म मौसम में तेजी से उगती है। पुदीना किसी भी बगीचे के लिए गर्मियों के मौसम में एक बढ़िया पौधा है। हालांकि, अत्यधिक गर्मी और तेज धूप कभी–कभी पौधे को तनाव दे सकती है यानी का आपका पौधा मुरझा, सूखना या अत्यधिक फैल सकता है। गर्मियों के दौरान अपने पुदीने को रसीला, सुगंधित और स्वस्थ रखने के लिए उचित देखभाल करना आवश्यक है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि पुदीने को पानी देने का शेड्यूल, धूप की आवश्यकता, मिट्टी का रखरखाव और कीट नियंत्रण को शामिल करने बाद अपने पौधे का ध्यान कैसे रखें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपका पुदीना का पौधा पूरे मौसम में फलता–फूलता रहे।

सही मिट्टी का चयनः आपको बता दें कि, पुदीने का पौधा अच्छी जल निकासी वाली और पोषक तत्व से भरपूर मिट्टी में अच्छे से उगता है। आप अपने गमले में मिट्टी के साथ खाद और बालू का मिश्रण कर सकते हैं, जिससे मिट्टी नरम और उपजाऊबनीं रहे।

सहीं से पौध को पानी दें : गर्मियों में पौधे को पानी देना सबसे जरूरी होता है। पुदीने पौधे में दिन में कम से कम दो बार पानी डालें। जिससे मिट्टी हमेशा नम बनी रहे। इस बात का भी ध्यान रखे कि पानी ज्यादा न भर जाए, क्योंकि इससे जड़े सड़ जाती है।

सीधी धूप से बचाएं : ध्यान रखें कि गर्मियों में पुदीने के पौधे को सीधी धूप न दिखाएं। तेज धूप पड़ रही है, तो पौधे को छाया में रख दें या फिर हल्का कपड़ा ढक दें, जिससे पत्तियां मुरझाएं नहीं।

कटाई करना भी जरूरी : पुदीना का पौधा घना और स्वस्थ बनाएं रखने के लिए समय–समय पर इसकी कटाई करें। जब पत्तियां अत्यधिक बढ़ जाएं, तो इसको छांट दें। जिससे नई पत्तियां उगने लगें।

जैविक खाद का ही प्रयोग करें : पुदीने के पौधे में जैविक खाद जैसे गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट या पत्तियों की खाद बनाकर डाल सकते हैं। इससे पौधा भी स्वस्थ और हरा–भरा रहेगा।

कीड़ों से बचाएं : गर्मियों में पुदीने के पौधे में कीटों का खतरा बढ़ जाता है। पुदीने के पौधे के लिए आप नीम का तेल या हल्का साबुन मिश्रित पानी छिड़क सकती है, जिससे पत्तियों सेफ रहें और पौधा भी स्वस्थ रहे।

बीकॉम ऑनर्स : सुनहरे करियर की ओर पहला कदम

यूनिक समय मथुरा। बीकॉम ऑनर्स आज के समय में एक लोकप्रिय कोर्स बन चुका है, जो छात्रों को कॉमर्स, फाइनेंस और एकाउंटिंग में विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह कोर्स उन छात्रों के लिए आदर्श है जो बिजनेस, बैंकिंग, फाइनेंस या अकाउंटिंग में करियर बनाना चाहते हैं। इस लेख में हम बीकॉम ऑनर्स के करियर विकल्पों, संभावनाओं और इसे चुनने के फायदों पर चर्चा करेंगे।

बीकॉम ऑनर्स एक तीन वर्षीय अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम है, जिसमें छात्रों को कॉमर्स से संबंधित विषयों की गहन जानकारी दी जाती है। इसमें एकाउंटिंग, फाइनेंस, टैक्सेशन, बिजनेस मैनेजमेंट, बैंकिंग और इकोनॉमिक्स जैसे विषय शामिल होते हैं।

बीकॉम ऑनर्स करने के फायदे

व्यापक ज्ञान-यह कोर्स छात्रों को सामान्य बीकॉम की तुलना में अधिक गहराई से व्यावसायिक और वित्तीय मामलों की समझ देता है।

बेहतर जॉब अपॉर्च्युनिटी-बीकॉम ऑनर्स की डिग्री रखने वालों को मल्टीनेशनल कंपनियों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों में अच्छे अवसर मिलते हैं।

प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए फायदेमंद- बीकॉम ऑनर्स करने के बाद छात्र CA, CS, CFA, MBA और M.Com जैसे कोर्स में आसानी से प्रवेश ले सकते हैं।

सरकारी और निजी क्षेत्र में करियर- इस डिग्री के साथ छात्र सरकारी नौकरियों में भी आवेदन कर सकते हैं, जैसे बैंक पीओ, एसएससी और यूपीएससी।

बीकॉम ऑनर्स के बाद करियर विकल्प

बैंकिंग और फाइनेंस- सरकारी और प्राइवेट बैंकों में प्रोबेशनरी ऑफिसर, क्लर्क या फाइनेंशियल एनालिस्ट बन सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA)- बीकॉम ऑनर्स के बाद CA की पढ़ाई करने पर करियर को ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है।

कंपनी सेक्रेटरी (CS) -कॉर्पोरेट लॉ में रुचि रखने वालों के लिए CS एक बेहतरीन विकल्प है।

फाइनेंशियल एनालिस्ट और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग-स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड्स और इन्वेस्टमेंट बैंकों में अवसर मिलते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग और ई–कॉमर्स- आज के दौर में डिजिटल बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है, जिससे इस क्षेत्र में करियर के अच्छे अवसर मिलते हैं।

बीकॉम ऑनर्स की डिग्री छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने का सुनहरा अवसर देती है। अगर आपकी रुचि फाइनेंस, अकाउंटिंग या बिजनेस में है, तो यह कोर्स आपके लिए सही रहेगा। इसके बाद उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स करके अपने करियर को और मजबूत बनाया जा सकता है।

सुविचार

खुद पर विश्वास रखो, दुनिया मान जाएगी।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	07:17-09:11 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	स्वाति	11:15-01:31 तक	माह	चैत्र	
सूर्योदय		06:46 AM	चन्द्रोदय	11:02 PM	
सूर्यास्त		06:29 PM	चंद्रास्त	09:58 AM	
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	तुला राशि	
शुभ मुहूर्त		12:08PM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05	
त्योहार/व्रत		रंग पंचमी	विक्रम संवत्	2082	
राहुकाल		05:01 PM:06:29PM	वार	रविवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

तुला राशि की इन राशि वाले जातकों के साथ बनती है परफेक्ट जोड़ी

कभी नहीं तोड़ते भरोसा

यूनिक समय, मथुरा। तुला राशि के जातक सुंदर और खुशमिजाज होते हैं। बता दें कि इस राशि को तराजू के साइन से दर्शाया जाता है। सामान्य स्थितियों में इस राशि के जातक संतुलित होते हैं। वहीं स्थिति के बिगड़ने पर इस राशि के जातकों का मूड सबसे पहले बिगड़ता है। ज्योतिष के मुताबिक तुला राशि चक्र की सातवीं और बेहद अहम राशि है। यह राशि वायु तत्व की राशि है और इसके स्वामी शुक्र हैं। बता दें कि शुक्र को प्रेम और साझेदारी का स्वामी कहा गया है। ज्योतिष में तुला को तराजु के चिन्ह से प्रदर्शित किया गया है। जो इस राशि के बैलेस्ड नेचर को दिखाता है। इस राशि के जातकों के नाम का पहला अक्षर रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू या ते से शुरू होता है। कहा जाता है कि इस राशि के जातकों को अपने आसपास लोगों को जमावड़ा पसंद होता है। वहीं यह लोग सतर्क, आकर्षक और संतुलित रहना पसंद करते हैं। आइए जानते हैं कि किस राशि के लोग तुला राशि के लिए अच्छे जीवनसाथी के रूप में देखे जाते हैं।

तुला राशि के लोगों का स्वभाव

तुला राशि के जातकों को किसी भी परिस्थिति में अकेला रहना पसंद नहीं होता है। वह हमेशा नए लोगों के संपर्क में आते हैं। साथ ही तुला राशि के जातक दूसरों के साथ कैसे संबंध विकसित किए जाएं, इस बात को बखूबी समझते हैं। आसपास के लोगों को उनके व्यक्तित्व की आभा उनके प्रति आकर्षित करने का काम करती है। ऐसे जातक मिलनसार होने के साथ ही साथ टीम में काम करना पसंद करते हैं।

तुला- वृष : ज्योतिष के मुताबिक, इन दोनों राशियों के जातक विवादों से दूर रहना पसंद करते हैं। तुला और वृष राशि के जातकों को लक्ष्य शांति और खुशहाली के साथ जीवन जीना होता है। दोनों ही राशियों के स्वामी शुक्र देव हैं। ऐसे में इन राशियों के जातक एक-दूसरे के लिए अच्छे जीवनसाथी माने गए हैं। दोनों राशियों का मिलनसार स्वभाव इन्हें एक-दूसरे के और करीब लाता है। वहीं तुला और वृषभ के बीच अनुकूलता का स्तर भी काफी अच्छा होता है। यदि इन राशियों के जातक एक-दूसरे से शादी करते हैं तो इनका प्यार जीवनभर बना रहता है।

तुला-तुला: तुला और तुला राशि के लोग एक साथ किसी रिश्ते में आते हैं तो इनके रिश्तों में अनुकूलता और सामंजस्य देखने को मिलता है। आपसी समझ से इनके बीच की चीजें और अधिक खूबसूरत बनती हैं। वहीं जब बात जीवनसाथी चुनने की हो, तो यह किसी प्रकार की जल्दबादी नहीं दिखाते हैं। इनके बीच मतभेद की संभावनाएं काफी कम होती हैं। यह धीरे-धीरे किसी भी व्यक्ति पर विश्वास करते हैं। वहीं एक बार रिश्ते में आने के बाद इस राशि के जातक पूरी ईमानदारी से उस रिश्ते को निभाते हैं।

तुला-मिथुन: ज्योतिष के अनुसार, तुला राशि और मिथुन राशि के जातक भी अच्छे जीवनसाथी होते हैं। तुला राशि के जातकों को अपने परिवार और प्रिय लोगों के देखभाल करने की आदत होती है। ऐसे में इमोशनल सपोर्ट की तलाश में रहने वाले मिथुन राशि के जातकों के लिए तुला राशि का यह गुण अच्छा संबंध स्थापित करने में मदद करता है। इन दोनों राशियों का रिश्ता इतना प्यारा और जीवंत होता है कि यह एक-दूसरे को कभी बोरियत महसूस नहीं होने देते हैं। तुला और मिथुन राशि के जातकों को जीवन में ज्यादा परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

तुला-कुंभ : ज्योतिष के अनुसार, तुला राशि और कुंभ राशि के जातक आमतौर पर खुले विचारों वाले होते हैं। यह लोग आपस में अच्छे मित्र होते हैं। साथ ही तुला और कुंभ राशि के लोग जब किसी रिश्ते में होते हैं, तो वे दोनों एक-दूसरे से प्यार करना और एक-दूसरे की उचित देखभाल करना जानते हैं। वहीं इन राशियों के स्वामी भी इन्हें संबंध बेहतर बनाने के लिए अपना आशीर्वाद देते हैं। यह अपनी मैरिड लाइफ को बैलेंस करके चलना पसंद करते हैं। हालांकि कई बार इन राशि के जातकों के बीच मतभेद की भी स्थिति देखने को मिलती है। लेकिन यह आपसी तालमेल से उन परेशानियों को दूर करने में मददगार होते हैं।

तुला- वृश्चिक: तुला और वृश्चिक राशि के जातक कई मायनों में एक सुंदर और मधुर संबंध बनाने की कामयाब रहते हैं। दोनों ही राशि के लोग एक-दूसके के लिए त्याग और बलिदान के लिए तैयार रहते हैं। इनके स्वभाव का लचीलापन इन्हें एक-दूसरे के करीब लाने में मदद करता है। हालांकि दोनों का स्वभाव जिद्दी और आवेगी होता है। लेकिन इसके बाद भी यह अपने रिश्ते में स्टेबिलिटी हासिल कर लेते हैं। इन्हें जीवन में अधिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। इस राशि के जातक एक-दूसरे के लिए अच्छे जीवनसाथी साबित हो सकते हैं।

व्रत—त्योहार का कैलेंडर 2026

- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष : इस सप्ताह मेष राशि के जातकों को जल्दबाजी से बचना होगा। किसी भी प्रतिक्रिया से पहले शांत रहें। शांत रहकर आप कठिन परिस्थितियों का सामना आसानी से कर पाएंगे। सामाजिक मामलों में परिपक्वता और संयम बनाए रखें।

वृषभ: वृषभ जातकों के लिए वित्तीय अनुशासन महत्वपूर्ण है। खर्च और बचत में संतुलन बनाएं। खरीदारी से बचें। व्यावहारिक सोच से आप अपने बैंक खाते और भविष्य की योजनाओं को सुरक्षित रख पाएंगे।

मिथुन: सहकर्मियों के साथ संवाद में ईमानदारी बनाए रखें। अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। दूसरों को खुश करने के लिए अपनी राय दबाने से बचें।

कर्क: घर और कार्यक्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखें। छोटे-मोटे काम समय पर निपटाएं। व्यवस्थित दिनचर्या मानसिक शांति और कुशलता लाएगी। परिवार के सदस्यों के साथ तालमेल बनाए रखें।

सिंह: अपने कार्यों की पूरी जिम्मेदारी लें। ईमानदारी और लगन से पेशेवर सम्मान बढ़ेगा। योजना के अनुसार काम करें और किसी और को दोष न दें। प्रेम संबंधों में समझदारी और संयम जरूरी है।

कन्या: नई योजनाओं पर काम करने से पहले मुख्य लक्ष्यों को निर्धारित करें। व्यवस्थित कार्यसूची बनाएँ और अनुशासन बनाए रखें।

तुला: सामाजिक परिस्थितियों में शिष्टाचार और कूटनीति बनाए रखें। विवादों में निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका अपनाएं। संतुलित और शांत रहने से सम्मान बढ़ेगा और संबंध मजबूत होंगे।

वृश्चिक: निर्णय लेते समय अपनी अंतरात्मा की सुनें। बाहरी दबाव से बचें। आज के फैसले भविष्य में सफलता और संतोष का मार्ग तय करेंगे।

धनु : प्रोजेक्ट या कार्य की समयसीमा में बदलाव स्वीकारें। अप्रत्याशित रुकावटों में धैर्य बनाए रखें। शांत रहने से गुणवत्ता बनी रहेगी।

मकर: लगातार मेहनत और नियमित दिनचर्या से लंबे समय में सफलता मिलेगी। आसान रास्ते अपनाने से बचें। धैर्य और परिश्रम से स्थिरता सुनिश्चित होगी।

कुंभ: सुविचारित योजना बनाकर कार्य करें। तार्किक दृष्टिकोण और व्यवस्थित प्रणाली से परियोजनाओं को सफलता के साथ पूरा किया जा सकता है।

मीन: भावनात्मक तनाव से बचने के लिए शांत मन रखें। अकेले समय निकालकर मानसिक संतुलन बनाए रखें। दूसरों की अपेक्षाओं के दबाव से खुद को मुक्त रखें।

देश का एकमात्र मंदिर जहां पिंडी रूप में विराजमान है शनि देव

साढ़ेसाती और ढैय्या से मिलती है मुक्ति

यूनिक समय, मथुरा। उज्जैन में स्थित नवग्रह शनि मंदिर देश का एकमात्र ऐसा स्थल है, जहां शनिदेव पिंडी रूप में विराजमान हैं। इसे देखकर भक्त आश्चर्यचकित रह जाते हैं क्योंकि अधिकांश शनि मंदिरों में उनकी प्रतिमा काली होती है, लेकिन यहाँ भगवा रंग की मूर्ति है, जो हनुमान जी जैसी प्रतीत होती है। मंदिर की मान्यता बहुत पुरानी है और इसे लगभग 2000 साल पुराना बताया जाता है।

मंदिर त्रिवेणी घाट के किनारे शिप्रा नदी के पास स्थित है। कहा जाता है कि यहाँ दर्शन करने से जीवन की बड़ी से बड़ी परेशानियों का समाधान होता है। खासतौर पर शनि की ढैय्या या साढ़ेसाती के दौरान होने वाले अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए भक्त यहाँ विशेष पूजा और दशा

पूजन करवाते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, परेशान भक्त मंदिर में चप्पल या वस्त्र छोड़कर जाते हैं, जिससे शारीरिक और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है।

मंदिर में मुख्य गर्भगृह में पिंडी रूप में शनिदेव विराजमान हैं, जिन पर निरंतर तेल टपकता रहता है। यहाँ का यह रूप भगवान शिव का ही अवतार माना जाता है। मंदिर का निर्माण प्राचीन समय में राजा विश्वक्रमादित्य ने कराया था। मंदिर परिसर में एक पुराना पीपल का पेड़ भी है, जहां धागा बांधकर मनोकामना पूरी करने की परंपरा है। शनिदेव के इस अद्वितीय रूप और पूजा-अर्चना से न केवल जीवन में सकारात्मकता आती है, बल्कि ढैय्या और साढ़ेसाती से होने वाले नकारात्मक प्रभाव भी कम होते हैं। शनिवार और अमावस्या के दिन मंदिर में भक्तों की भीड़ अत्यधिक होती है। नवग्रह शनि मंदिर न केवल उज्जैन की धार्मिक धरोहर है, बल्कि इसे देशभर से लोग कष्ट और परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए दर्शन करते हैं।

यह मंदिर दर्शाता है कि धार्मिक आस्था और सही विधि से की गई पूजा जीवन में संतुलन और राहत ला सकती है। चाहे नौकरी, व्यापार या व्यक्तिगत संकट हो, भक्त यहां आकर शनि देव की कृपा से मानसिक शांति और समस्याओं से मुक्ति का अनुभव करते हैं।

ऑफिस में मोरपंख रखना, काम पर फोकस और संबंधों की चाबी

यूनिक समय, मथुरा। ऑफिस में मेहनत करने के बावजूद जब काम का फल नहीं मिलता और मैनेजर या सहकर्मियों के साथ परेशानियां बढ़ जाती हैं, तो मानसिक तनाव भी बढ़ता है। वास्तु शास्त्र में इस स्थिति से निपटने के लिए एक सरल उपाय बताया गया है-ऑफिस डेस्क पर मोरपंख रखना।

मोरपंख को पारंपरिक रूप से सतर्कता और स्पष्टता का प्रतीक माना जाता है। इसे डेस्क पर रखने से काम में फोकस बढ़ता है, विचार केंद्रित रहते हैं और प्रोडक्टिविटी में सुधार होता है।

साथ ही यह ऑफिस में सहयोग और सामंजस्य बढ़ाने में मदद करता है। मोरपंख टकराव और आंतरिक प्रतिस्पर्धा को कम करता है, जिससे टीम में स्थिरता बनी रहती है। इसके अलावा, मोरपंख भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा होने के कारण विकास, अवसर और करियर ग्रोथ का प्रतीक भी माना जाता है। इसे रखना केवल सजावट नहीं, बल्कि ऑफिस का सकारात्मक और सहयोगी माहौल बनाने का संकेत है। यह आपके संबंध मजबूत करता है, तनाव घटाता है और लंबे समय में अच्छे अवसर और सफलता की राह खोलता है। ऑफिस डेस्क पर मोरपंख रखें और काम, संबंध और मानसिक शांति तीनों में संतुलन पाएं।

सम्पादकीय

व्यवस्था की चक्की में पिसता मंझला व्यापारी

भारत में व्यापार का ढांचा बड़ा दिलचस्प है। ऊपर कॉर्पोरेट दिग्गज हैं, जिनके पास सलाहकारों, वकीलों और पूर्व नौकरशाहों की पूरी सेना होती है। नीचे छोटे व्यापारी हैं, जिनके लिए सरकार की योजनाएं, सब्सिडी और संरक्षण मौजूद हैं। और इनके बीच में एक ऐसा वर्ग है, जो न बहुत छोटा है और न बहुत बड़ा–यानी मंझला व्यापारी। यही वह वर्ग है, जो अक्सर व्यवस्था की चक्की में सबसे ज्यादा पिसता है। कागजों में यह वर्ग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। जीडीपी में इनका योगदान करीब 8 प्रतिशत तक है, निर्यात में इनकी हिस्सेदारी भी उल्लेखनीय है और रोजगार सृजन में तो इनकी भूमिका और भी बड़ी है।

पवन गौतम
संपादक

अनुमान है कि मंझले व्यापारी सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार देते हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जब नीतियां बनती हैं, तो यह वर्ग अक्सर "बीच का खोया हुआ अध्याय" बन जाता है। छोटे व्यापारियों के लिए योजनाएं हैं, बड़े उद्योगों के लिए प्रोत्साहन पैकेज हैं, लेकिन मंझले व्यापारियों के लिए नीति ढांचा अक्सर उतना ही अस्पष्ट होता है, जितना सरकारी फाइलों का भविष्य। व्यवस्था की एक और दिलचस्प सच्चाई है–कार्रवाई का गणित। जब नियमों के उल्लंघन या आर्थिक संकट की बात आती है, तो बड़े उद्योगपति शायद ही कभी सलाखों के पीछे दिखाई देते हैं। इसका कारण केवल पैसा नहीं, बल्कि तंत्र पर उनकी मजबूत पकड़ भी है। उनके पास कानूनी विशेषज्ञों की ऐसी टीम होती है, जो किसी भी नोटिस को आने से पहले ही भांप लेती है।

ऐसे में प्रशासन के लिए सबसे आसान लक्ष्य कौन होता है? जवाब है–मंझला व्यापारी। बड़े समूहों पर कार्रवाई करने के लिए अनुमति, प्रक्रिया और लंबी कानूनी लड़ाई की जरूरत पड़ती है, जबकि मंझले व्यापारी के पास न तो इतना समय होता है और न ही उतना कानूनी संरक्षण। यही कारण है कि "इंस्पेक्टर राज" भले ही खत्म होने का दावा करता हो, लेकिन जमीनी स्तर पर उसने केवल अपना रूप बदला है। इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि व्यवस्था व्यापारी को केवल राजस्व का स्रोत न माने, बल्कि आर्थिक साझेदार के रूप में देखे। डिजिटल और फेसलेस सिस्टम, रैंडम ऑडिट और नियमों का सरलीकरण इस दिशा में अहम कदम हो सकते हैं। सच तो यह है कि अगर मंझला व्यापारी मजबूत होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था संतुलित और टिकाऊ बन पाएगी। क्योंकि पिरामिड की मजबूती केवल उसके शीर्ष से नहीं, बल्कि उसके मजबूत मध्य से तय होती है। वरना कहीं ऐसा न हो कि "व्यापारी सम्मान" केवल भाषणों में गूंजता रहे और असलियत में मंझला व्यापारी व्यवस्था का सबसे आसान शिकार बना रहे।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

हिमालय में 'बर्फ का सूखा': पिघलती बर्फ के साथ गहराता जल संकट

लोकेश त्रिपाठी

हिमालय को लंबे समय से एशिया का "वॉटर टावर" कहा जाता है। इसकी ऊंची चोटियों पर जमी बर्फ और विशाल ग्लेशियर दक्षिण एशिया की कई महान नदियों की जीवनरेखा हैं। भारत में गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां इसी हिमालयी बर्फ के पिघलने से सालभर बहती रहती हैं। यही नदियां करोड़ों लोगों को पेयजल देती हैं, खेतों को सिंचाई देती हैं और अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करती हैं। लेकिन आज वही हिमालय एक ऐसे संकट का सामना कर रहा है जो आने वाले वर्षों में पूरे उत्तर भारत की जल व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। वैज्ञानिक इसे "ग्रेट हिमालयन स्नो ड्राउट" यानी बर्फ का सूखा कह रहे हैं।

"बर्फ का सूखा" सुनने में भले ही एक नया शब्द लगे, लेकिन इसके परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं। इसका अर्थ है कि सर्दियों में सामान्य से बहुत कम बर्फ गिर रही है और जो बर्फ गिरती भी है, वह ज्यादा समय तक टिक नहीं पाती। बढ़ते तापमान के कारण बर्फ जल्दी पिघल जाती है। इसका सीधा असर हिमालय से निकलने वाली नदियों और पूरे जल तंत्र पर पड़ता है। हिमालय केवल पहाड़ों की एक शृंखला नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की जल सुरक्षा का आधार है। भारत, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान और चीन के करोड़ों लोग हिमालय से निकलने वाली नदियों पर निर्भर हैं। इन नदियों का जल केवल पीने के लिए ही नहीं, बल्कि खेती, उद्योग और बिजली उत्पादन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी कारण हिमालय में होने वाला कोई भी पर्यावरणीय बदलाव दूर–दराज के क्षेत्रों तक असर डालता है। आज हिमालय में बर्फ की मात्रा में जो गिरावट देखी जा रही है, वह केवल पहाड़ी इलाकों की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की वर्ष 2025 की रिपोर्ट इस चिंता को और स्पष्ट करती है। रिपोर्ट के अनुसार हिंदूकुश–हिमालय क्षेत्र में स्नो पर्सिस्टेंस यानी बर्फ के टिके रहने की अवधि सामान्य से लगभग 23.6 प्रतिशत कम रही, जो पिछले 23 वर्षों में सबसे कम स्तर है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि पिछली पांच सर्दियों में से चार में सामान्य से कम बर्फबारी हुई है। इसका अर्थ है कि यह केवल एक साल की समस्या नहीं है, बल्कि एक लगातार बढ़ती प्रवृत्ति है। सर्दी 2025–26 के दौरान हिमालयी राज्यों में वर्षा और बर्फबारी में भारी कमी दर्ज की गई। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई क्षेत्रों में बर्फबारी में 99 से 100 प्रतिशत तक की कमी देखी गई। जम्मू–कश्मीर में करीब 70 से 80 प्रतिशत और लद्दाख में 60 प्रतिशत से अधिक कमी दर्ज की गई। भारतीय मौसम

विभाग के अनुसार इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ कमजोर रहे, जिसके कारण सर्दियों में अपेक्षित बर्फबारी नहीं हो सकी। पश्चिमी विक्षोभ ही वे मौसम तंत्र हैं जो भूमध्यसागर क्षेत्र से नमी लेकर हिमालय में बर्फ और बारिश लाते हैं। जब ये कमजोर पड़ते हैं तो हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी कम हो जाती है। हालांकि केवल मौसम प्रणाली की कमजोरी ही इस संकट का कारण नहीं है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसका असर हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर अधिक तेजी से दिखाई दे रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि हिमालय में तापमान बढ़ने की दर वैश्विक औसत से भी अधिक है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और बर्फ ज्यादा समय तक टिक नहीं पा रही। कई अध्ययनों में यह पाया गया है कि पिछले कुछ दशकों में हिमालय के कई ग्लेशियर तेजी से सिकुड़े हैं। दरअसल बर्फ और ग्लेशियर प्राकृतिक जल भंडार की तरह काम करते हैं। सर्दियों में जमा होने वाली बर्फ धीरे–धीरे पिघलती है और गर्मियों में नदियों को पानी देती रहती है। इसी कारण हिमालयी नदियां सालभर बहती रहती हैं। लेकिन जब बर्फ कम गिरती है या जल्दी पिघल जाती है, तो गर्मियों में नदियों में पानी की मात्रा कम हो सकती है। इसका सीधा असर खेती और पेयजल पर पड़ सकता है। उत्तर भारत के विशाल मैदानी क्षेत्रों की खेती गंगा और यमुना जैसी नदियों पर निर्भर है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर धान और गेहूं की खेती होती है। इन फसलों को पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। यदि नदियों में जल प्रवाह कम हुआ तो सिंचाई व्यवस्था पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।

इसके साथ ही शहरों में जल संकट भी बढ़ सकता है। दिल्ली, कानपुर, वाराणसी और पटना जैसे बड़े शहर भी गंगा–यमुना के जल पर निर्भर हैं। यदि नदियों का जलस्तर घटता है तो इन शहरों में पेयजल की समस्या भी गंभीर हो सकती है। बिजली उत्पादन भी इससे प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर कई बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट बने हुए हैं। यदि नदियों में पानी कम हुआ तो इन परियोजनाओं की उत्पादन क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। हिमालय में बर्फ कम होने का असर केवल जल संसाधनों तक सीमित नहीं है। यह पूरे पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित कर सकता है। बर्फ से ढके क्षेत्र सूर्य की किरणों को परावर्तित करते हैं, जिससे पृथ्वी का तापमान नियंत्रित रहता है। जब बर्फ कम होती है तो जमीन अधिक गर्मी सोखने लगती है और तापमान और बढ़ जाता है। यह एक प्रकार का दुष्चक्र बन जाता है। हालांकि इस संकट के लिए केवल जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं होगा। मानव गतिविधियों ने भी इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। हिमालयी क्षेत्रों में तेजी से हो रहा निर्माण, सड़कों और सुरंगों का विस्तार, वनों की कटाई और अनियंत्रित पर्यटन पर्यावरण पर भारी दबाव डाल रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी शहरों में पर्यटन का दबाव बहुत तेजी से बढ़ा है। होटल, रिसॉर्ट और अन्य ढांचागत निर्माण के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। इससे पहाड़ी पारिस्थितिकी का संतुलन प्रभावित हो रहा है। वनों की कटाई भी एक बड़ा कारण है। जंगल न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि वर्षा चक्र को भी प्रभावित करते हैं। जब जंगल कम होते हैं तो मिट्टी की नमी घटती है और स्थानीय जल स्रोत भी कमजोर पड़ने लगते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारी नीतियां इस संकट से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। हाल के वर्षों में सरकार ने जल संरक्षण, हरित ऊर्जा और कार्बन उत्सर्जन में कमी पर जोर दिया है। यह निश्चित रूप से सकारात्मक कदम हैं, लेकिन हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र के लिए विशेष रणनीति की जरूरत है। सबसे पहले हिमालयी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करना होगा। वर्षा जल संचयन, छोटे जलाशयों का निर्माण और पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है ग्लेशियर मॉनिटरिंग। वैज्ञानिकों को लगातार यह अध्ययन करना होगा कि ग्लेशियर किस गति से पिघल रहे हैं और भविष्य में जल प्रवाह पर इसका क्या असर पड़ेगा।

तीसरा पहलू है सतत विकास। हिमालयी क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें पर्यावरण के अनुकूल बनाना जरूरी है। निर्माण कार्यों के लिए कड़े पर्यावरणीय मानदंड तय किए जाने चाहिए और उनका सख्ती से पालन कराया जाना चाहिए।

हिमालय में बर्फ का यह "सूखा" हमें यह चेतावनी देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की समस्या नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में पानी की उपलब्धता पर गंभीर असर पड़ सकता है।

विचार विण्डो

आरटीई के बच्चे: स्कूलों में बराबरी या छिपा भेदभाव

बोध प्रकाश 'सबगुनी'

शिक्षा को हमेशा समाज में बराबरी का सबसे बड़ा साधन माना गया है। कहा जाता है कि स्कूल वह जगह है जहां बच्चे जाति, धर्म, पैसा और हैसियत की दीवारों से ऊपर उठकर एक साथ सीखते हैं। लेकिन जब वही स्कूल बच्चों को उनकी आर्थिक स्थिति के आधार पर अलग–अलग श्रेणियों में बांटने लगें, तो सवाल सिर्फ शिक्षा का नहीं, बल्कि पूरे समाज की मानसिकता का हो जाता है।

शिक्षा का अधिकार यानी आरटीई कानून इसी सोच के साथ बनाया गया था कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा मिले। इसके तहत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित की गईं। उद्देश्य साफ था–गरीब और अमीर बच्चे एक ही कक्षा में बैठें, साथ पढ़ें और सामाजिक बराबरी की भावना विकसित हो।

लेकिन हकीकत कई बार कानून की मंशा से बिल्कुल उलट दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में डीएवी पब्लिक स्कूल में आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों से मजदूरी और सफेदी कराने की खबर सामने आई। यह घटना केवल नियमों के उल्लंघन का मामला नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का आईना भी है, जिसमें गरीब बच्चे को छात्र से ज्यादा "कामगार" समझ लिया जाता है।

विडंबना यह है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। देश के अलग–अलग राज्यों से समय–समय पर ऐसी खबरें आती रहती हैं। गुजरात में शिकायतें आईं कि आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों को दूसरे विद्यार्थियों के साथ बैठने या खाना खाने तक की अनुमति नहीं दी गई। कहीं उन्हें अलग बिठाया गया, कहीं उन्हें प्रयोगशाला या कंप्यूटर लैब से दूर रखा गया।

कुछ जगह तो हालात इतने अजीब हैं कि स्कूलों में एक तरह का "अदृश्य विभाजन" बन गया है। एक तरफ वे बच्चे हैं जो फीस देते हैं और दूसरी तरफ वे बच्चे जो कानून के कारण वहां मौजूद हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यह दीवार ईंटों से नहीं, बल्कि व्यवहार से खड़ी की जाती है।

निजी स्कूलों की अपनी दलीलें भी होती हैं। उनका कहना है कि सरकार उन्हें आरटीई के तहत बच्चों को दाखिला देने के लिए बाध्य करती है, लेकिन आर्थिक बोझ की भरपाई समय पर नहीं करती। यह समस्या अपनी जगह सही हो सकती है, लेकिन इसका समाधान बच्चों से भेदभाव करना कैसे हो सकता है?

असल समस्या शायद इससे भी गहरी है। कई निजी स्कूल खुद को केवल शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि एक "ब्रांड" की तरह चलाने लगे हैं। यहां पढ़ना कई परिवारों के लिए सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है। ऐसे में जब आरटीई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे उसी परिसर में पहुंचते हैं, तो कुछ लोगों को यह "प्रतिष्ठा का व्यवधान" लगने लगता है। यह सोच जितनी खतरनाक है, उतनी ही विडंबनापूर्ण भी। क्योंकि स्कूल वही होते हैं, जो बच्चों को बराबरी और संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाते हैं। अगर वही संस्थान भेदभाव का अभ्यास करने लगें, तो शिक्षा का असली उद्देश्य ही खो जाता है।

समस्या यह भी है कि कानून होने के बावजूद उसका क्रियान्वयन कमजोर है। सुप्रीम कोर्ट ने आरटीई के तहत 25 प्रतिशत आरक्षण को अनिवार्य बताया है और इसके लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश भी दिए हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर अक्सर कार्रवाई केवल चेतावनी और नोटिस तक सीमित रह जाती है।

कभी–कभार किसी स्कूल की मान्यता रद्द होने की खबर जरूर आती है, लेकिन यह अपवाद ज्यादा होता है, नियम कम। नतीजा यह कि कई संस्थान नियमों का पालन "मजबूरी" में तो करते हैं, लेकिन व्यवहार में उसे स्वीकार नहीं करते।

सच यह भी है कि आरटीई कानून की कई कमजोरियां सामने आ चुकी हैं। स्कूल संगठनों की मजबूत लॉबिंग के कारण कई बार इसके प्रावधान पूरी सख्ती से लागू नहीं हो पाते। नीति और जमीन के बीच यही दूरी बच्चों के साथ हो रहे भेदभाव की सबसे बड़ी वजह बन जाती है। सरकार को इस दिशा में अधिक सख्त और पारदर्शी व्यवस्था बनानी होगी। नियमित निरीक्षण, प्रभावी शिकायत पोर्टल और दोषी स्कूलों पर वास्तविक कार्रवाई जरूरी है। अगर कोई संस्थान कानून का पालन नहीं करता, तो केवल नोटिस देकर मामले को खत्म कर देना समाधान नहीं है।

इसके साथ ही शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को संवेदनशीलता का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। क्योंकि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम से नहीं, बल्कि व्यवहार से भी मिलती है। अगर शिक्षक खुद भेदभावपूर्ण रवैया अपनाएंगे, तो बच्चों के मन में बराबरी की भावना कैसे विकसित होगी?

अभिभावकों की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण है। समाज को यह समझना होगा कि स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कार का भी केंद्र हैं। अगर वहीं असमानता की दीवार खड़ी होगी, तो आने वाली पीढ़ियों से बराबरी की उम्मीद करना मुश्किल होगा।

दरअसल, आरटीई कानून केवल शिक्षा का प्रावधान नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। अगर इसे सही भावना से लागू किया जाए, तो यह समाज की कई गहरी खाइयों को पाट सकता है। लेकिन अगर इसे केवल औपचारिकता की तरह निभाया जाएगा, तो यह बच्चों के मन में हीनता और असमानता का भाव पैदा करेगा।

इसलिए जरूरी है कि शिक्षण संस्थान खुद से यह सवाल पूछें–वे बच्चों को सिर्फ किताबों का ज्ञान दे रहे हैं या इंसानियत का भी। क्योंकि अगर स्कूलों में ही बराबरी नहीं मिलेगी, तो फिर समाज से उसकी उम्मीद करना शायद एक बड़ी भूल होगी।

भारत या न्यूजीलैंड में जो भी जीता वो रचेगा इतिहास

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल होने वाला है फैंस के लिए यादगार

यूनिक समय, नई दिल्ली। 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में टीम इंडिया के लिए सिर्फ ट्रॉफी नहीं, बल्कि कई रिकॉर्ड बनाने का मौका भी है। भारत और न्यूजीलैंड आमने–सामने होंगे, और भारत के पास यह सुनहरा अवसर है कि वह तीन बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाए।

भारत ने पहले 2007 और 2024 में खिताब जीता था, जबकि 2014 के फाइनल में उसे हार का सामना करना पड़ा। अब भारत के पास अपने नाम तीसरी बार खिताब जीतने का मौका है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने अब तक केवल दो–दो बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने का रिकॉर्ड बनाया है।

भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हराया। इंग्लैंड को 254 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया ने उन्हें 246/7 पर रोक दिया। इस जीत ने भारतीय खिलाड़ियों और फैंस दोनों का मनोबल बढ़ाया और फाइनल के लिए उत्साह और उम्मीदें जगाईं।

इस फाइनल में भारत के लिए कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का अवसर है। अगर टीम जीतती है, तो वह लगातार दो बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। इससे पहले कोई भी टीम लगातार दो बार खिताब का बचाव नहीं कर पाई है। इसके अलावा, भारत पहली मेजबान टीम बन जाएगी जिसने टी20 वर्ल्ड कप अपने घर में जीता हो। 2012 में श्रीलंका मेजबान टीम के रूप में फाइनल तक पहुंचा था, लेकिन हार गया था।

टीम इंडिया ने अब तक आठ मैचों में सात जीत हासिल की हैं, केवल सुपर 8 में दक्षिण अफ्रीका से हार मिली थी। न्यूजीलैंड ने आठ मैचों में पांच जीत हासिल की, एक मैच पाकिस्तान के खिलाफ बेनतीजा रहा और दो मैच दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से हारे।

न्यूजीलैंड का यह दूसरा फाइनल है और यह पहली बार खिताब जीतने का प्रयास कर रहा है। चाहे भारत जीते या न्यूजीलैंड, विजेता इतिहास रचेगा। 8 मार्च को अहमदाबाद में होने वाला फाइनल क्रिकेट फैंस के लिए यादगार रहेगा। यह मैच केवल बल्लेबाजी या गेंदबाजी का नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और रणनीति का भी मुकाबला होगा।

टीम इंडिया के खिलाड़ियों के लिए यह फाइनल चुनौतीपूर्ण है, लेकिन फैंस की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। जीत के साथ भारत न केवल इतिहास रच सकता है बल्कि खुद को टी20 वर्ल्ड कप की महान टीमों की सूची में दर्ज करवा सकता है।

अनुपम खेर ने जवानी में निभाए बुढ़ापे के किरदार

71 की उम्र में भी फिटनेस के लिए बने मिसाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और निर्देशक अनुपम खेर आज 71 साल के हो गए हैं। चार दशकों से अधिक लंबे करियर में उन्होंने 540 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और हर किरदार में अपनी अलग छाप छोड़ी है। उनकी एक्टिंग की सबसे खास बात यह रही है कि उन्होंने अपनी जवानी में ही बुढ़ापे के किरदार निभाकर दर्शकों का ध्यान खींचा।

अनुपम खेर का जन्म 7 मार्च 1955 को हिमाचल प्रदेश के शिमला में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ। 1982 में फिल्मी दुनिया में कदम रखने के बाद से उन्होंने लगातार शानदार काम किया। महेश भट्ट के निर्देशन में बनी अपनी पहली फिल्म में उन्होंने 28 साल की उम्र में 65 साल के बुजुर्ग पिता का रोल निभाया था। इसके बाद उन्होंने कई ऐसी भूमिकाएं निभाईं, जहां वे अपने उम्र से बहुत बड़े किरदार के लिए जाने गए। 'विजय' में हेमा मालिनी के पिता, राजेश खन्ना के ससुर और ऋषि कपूर के पिता के रोल में उनकी एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया। अनुपम खेर ने खुद बताया कि इन रोल्स ने उनके करियर को नया मुकाम दिया और उन्हें पहचान दिलाई।

71 साल की उम्र में भी अनुपम खेर अपनी फिटनेस और डेडिकेशन के लिए चर्चा में रहते हैं। इंस्टाग्राम पर वे नियमित रूप से अपनी वर्कआउट वीडियो शेयर करते हैं और युवा कलाकारों को प्रेरित करते हैं। उनकी यह फिटनेस देखकर कोई नहीं कह सकता कि वे 71 साल के हो गए हैं।

अनुपम खेर न केवल फिल्मों में अपने अभिनय से पहचान रखते हैं, बल्कि उनके कार्य और फिटनेस के प्रति समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री में एक मिसाल भी बना दिया है। चाहे अभिनय हो या फिटनेस, अनुपम खेर हर क्षेत्र में अपने फैंस के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। उनकी कहानी दर्शाती है कि उम्र केवल एक संख्या है, और सच्चा जुनून और मेहनत किसी भी उम्र में सफलता और फिटनेस की कुंजी बन सकती है।

'धड़कपुर' की गलियों से निकली 'दुपहिया'

एक साल बाद भी जीत रही दर्शकों का दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय कॉमेडी–ड्रामा सीरीज 'दुपहिया' ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है और इस दौरान दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है। काल्पनिक बिहार के गांव धड़कपुर की पृष्ठभूमि पर बनी यह सीरीज न केवल हंसी–मजाक से भरपूर है, बल्कि समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी देती है। इसकी सादगी, ग्रामीण जीवन के जमीनी अनुभव और हास्यपूर्ण प्रस्तुति ने इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भीड़ में अलग पहचान दिलाई।

सीरीज की कहानी बताती है कि कैसे गांव के शिक्षक बनबारी झा (गजराज राव) अपनी बेटी की शादी के लिए मोटरसाइकिल यानी 'दुपहिया' खरीदते हैं, लेकिन शादी से पहले वह चोरी हो जाती है। इसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच जाता है और दुल्हन का परिवार, पूर्व प्रेमी और गांव के अन्य मजेदार किरदार मिलकर इसे ढूंढने निकल पड़ते हैं। इस खोज के दौरान छोटे–छोटे झगड़े, हास्य के पल और ग्रामीण जीवन की सादगी पूरे एक घंटे में दर्शकों को बांधकर रखती है। निर्देशक ने इस सीरीज के माध्यम से दहेज प्रथा के खिलाफ भी संदेश दिया है। हास्य के अंदाज में यह दिखाया गया है कि दहेज किसी लड़की के जीवन को सुधारने के बजाय उसकी पहचान को दबाता है और समाज में नकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। सीरीज के अंत में यह भी दिखाया गया कि लड़की दहेज प्रथा के खिलाफ खड़ी होकर शादी तोड़कर अपने लिए खड़ी होती है, जो समाज में बदलाव की प्रेरणा देती है।'दुपहिया' की सफलता का बड़ा कारण इसकी स्टारकास्ट और शानदार अभिनय है। गजराज राव, रेणुका शहाणे, स्पर्श श्रीवास्तव, भुवन अरोड़ा और शिवानी रघुवंशी ने अपने किरदारों में जान डाल दी। निर्देशन और लेखन का भी जबरदस्त काम देखने को मिला, जिसने इसे पंचायत और लापता लेडीज जैसी सामाजिक संदेश वाली सीरीज से जोड़ दिया। एक साल बाद भी फैंस धड़कपुर के उन मजेदार किरदारों और मोड़ को याद कर रहे हैं, जिसने मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश भी देने में कामयाबी हासिल की। 'दुपहिया' न केवल हंसी का ठहाका है, बल्कि दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर करती है।

फाइनल में भारत के लिए रचिन रविंद्र बनेगा सबसे बड़ा खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम खिताब की दौड़ में आगे बढ़ चुकी है और फाइनल में जीत के लिए पूरी तरह तैयार है। लेकिन इस मुकाबले में टीम इंडिया को एक ऐसा खिलाड़ी चुनौती दे सकता है, जिसे कम लोग ही गंभीरता से देख रहे हैं–न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र।

वैसे तो न्यूजीलैंड का टूर्नामेंट में प्रदर्शन औसत रहा है, लेकिन सेमीफाइनल में उन्होंने जिस तरह का खेल दिखाया, उससे भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव और पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर को निश्चित रूप से सतर्क होना पड़ेगा। फिन एलन और टिम साइफर्ट की तूफानी बैटिंग ने सेमीफाइनल में विपक्षी टीमों को झकझोर दिया, लेकिन टीम इंडिया के गेंदबाजों के लिए असली चुनौती रचिन रविंद्र हैं।

रचिन की पहचान मुख्य रूप से बल्लेबाज के रूप में रही है, लेकिन इस टूर्नामेंट में उन्होंने गेंदबाजी से अधिक प्रभावित किया है। न्यूजीलैंड के लिए वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनकर उभरे हैं। अब तक 8 मैचों में उन्होंने 6.88 की औसत से 11 विकेट लिए हैं और अपने स्पिन के जाल में विपक्षी बल्लेबाजों को फंसाकर टीम को कई अहम मौके दिलाए हैं। टी20 में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अक्सर परेशानी होती रही है। अभिषेक शर्मा सहित कई खिलाड़ी इस बार भी स्पिन के जाल में फंसे। अगर रचिन रविंद्र फाइनल में अपने लय में रहे, तो वह टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ा कांटा साबित हो सकते हैं। रचिन के लिए भारत की पिचों और स्पिन–फ्रेंडली परिस्थितियों से परिचित होना भी एक बड़ा प्लस है। अहमदाबाद की पिचों पर उनका अनुभव उन्हें और भी घातक बनाता है। बाएं हाथ के स्पिनर के खिलाफ संजू सैमसन और सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाजों की परेशानी बढ़ सकती है।

अतः फाइनल में टीम इंडिया के लिए जीत का रास्ता रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों को समझदारी से खेलने और उनके स्पिन के जाल को समय रहते भेदने पर निर्भर करेगा। भारत की बल्लेबाजी को अपने आप पर भरोसा रखते हुए और स्पिन के खिलाफ संयम से खेलना होगा। रचिन रविंद्र निश्चित ही न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे बड़ा "ब्राह्मास्त्र" साबित हो सकते हैं, जिसे रोकना भारतीय टीम के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

सिंगर बादशाह के गाने 'टटीरी' पर पुलिस का शिकंजा

एलओसी जारी और यूट्यूब से हटाया गया वीडियो

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सिंगर बादशाह कानूनी मुश्किलों में फंस गए हैं। उनके हालिया गाने 'टटीरी' में आपत्तिजनक लिरिक्स और नाबालिग बच्चियों के गलत तरीके से दिखाए जाने के चलते पंचकूला पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। गायक को पुलिस के सामने तत्काल पेश होने के लिए नोटिस भी जारी किया गया है।

पुलिस ने देश से बाहर जाने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गाने में महिलाओं और लड़कियों के प्रति अशोभनीय शब्दों का प्रयोग, स्कूल और सरकारी बस के अनधिकृत इस्तेमाल के आरोप लगे हैं। पुलिस वीडियो को यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटवाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

पंचकूला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जो भी व्यक्ति इस विवादित सामग्री को साझा करेगा, उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई होगी। मामला जांच के अधीन है और आगे की कार्रवाई नियमानुसार अमल में लाई जा रही है।

एक करोड़ की चोरी का खुलासा चार आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मेरठ। रघुनंदन ज्वेलर्स से एक करोड़ रुपये के गहनों की चोरी का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 80 लाख रुपये के गहने और 89,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस खुलासे के बाद शहर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के प्रति सतर्कता बढ़ गई है।

गिरफ्तार आरोपियों में पंकज भारद्वाज (हिसार, हरियाणा), राजावीर सिंह (हापुड़ पिलखुवा), निशांत तोमर उर्फ राजा और सचिन कुमार (सरधना) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी ज्वेलर्स की दुकान पर पहले से योजना बनाकर चोरी को अंजाम दे रहे थे। इसके अलावा हापुड़ के कालंद गांव निवासी मुकुल उर्फ सुच्चा, कृष्णा तिवारी और सचिन दत्त शर्मा की तलाश अभी भी जारी है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने कहा कि पूछताछ के दौरान आरोपी पूरे गिरोह की रूपरेखा बता रहे हैं। चोरी की योजना के तहत आरोपी दुकान पर लगातार नजर रखकर अवसर की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 80 लाख रुपये के जेवरात और 89,500 रुपये नकद बरामद किए। बरामद गहनों में सोने और हीरे के विभिन्न जेवर शामिल हैं।

पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी भागे हुए आरोपियों की गिरफ्तारी कर पूरी चोरी का पर्दाफाश किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय व्यवसायियों और जनता से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इस घटना ने व्यवसायियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है और ज्वेलरी दुकानों के आसपास सतर्कता बढ़ा दी गई है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई अन्य मामलों का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि भविष्य में ऐसे अपराधों पर रोक लगाई जा सके। गहनों की

80 लाख के गहने और 89,500 रुपये नकद बरामद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को करेंगी राम नाम मंदिर की स्थापना

यूनिक समय, लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर परिसर में 19 मार्च को राम नाम मंदिर की स्थापना का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समारोह की मुख्य अतिथि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। वे राम मंदिर परिसर में लगभग चार घंटे रहेंगी और राम मंदिर के दूसरे तल पर श्रीराम यंत्र एवं श्रीराम नाम मंदिर की स्थापना करेंगी। इस ऐतिहासिक आयोजन में लगभग 5000 से अधिक विशिष्ट मेहमान शामिल होंगे। पहली बार किसी बड़े कार्यक्रम में दर्शन सुचारू रूप से कराने की योजना बनाई गई है।

सुबह नौ बजे से अनुष्ठानों का शुभारंभ होगा। दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के कुल 51 वैदिक आचार्य समारोह में अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। काशी के आचार्य पद्मभूषण पंडित गणेश्वर शास्त्री के नेतृत्व में सभी अनुष्ठान होंगे। केरल की आध्यात्मिक गुरु मां अमृता मरी, कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मभूषण वीरेंद्र हेगड़े और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले भी इस कार्यक्रम

डिप्टी सीएम के हेलीकॉप्टर में भरा धुआं, इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई

यूनिक समय, लखनऊ । उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का हेलीकॉप्टर लखनऊ से कौशाम्बी जा रहा था, तभी उसमें अचानक धुआं भर गया। पायलट ने तुरंत स्थिति का आकलन किया और सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हेलीकॉप्टर को लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई। उपमुख्यमंत्री और हेलीकॉप्टर में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। किसी को भी चोट नहीं आई है। केशव प्रसाद मौर्य के कार्यालय ने पुष्टि की कि यह कदम एहतियात के तौर पर लिया गया।

केशव प्रसाद मौर्य कौशाम्बी में सरस महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग के कारण उनकी यात्रा में विलंब हुआ। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री ने पार्टी पदाधिकारियों से संवाद करना और विभागीय अधिकारियों के साथ परियोजनाओं का निरीक्षण करना था।

अधिकारियों ने कहा कि उड़ान के दौरान हुई तकनीकी खराबी का तुरंत समाधान किया गया और सभी कार्यक्रमों की सुरक्षा और नियमित संचालन सुनिश्चित किया गया। इस घटना ने प्रशासनिक और सुरक्षा मानकों की सतर्कता की आवश्यकता को फिर से उजागर किया।

संभल के एसपी केके बिश्नोई और बरेली की 'लेडी सिंघम' अंशिका वर्मा करेंगे शादी

यूनिक समय, संभल। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई और बरेली की एसपी साउथ अंशिका वर्मा जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों अपनी सख्त और प्रभावशाली प्रशासनिक कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। परिवारों की सहमति के बाद यह रिश्ता तय हुआ और अब शादी की तैयारियां पूरी तरह शुरू हैं। विवाह समारोह की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जिसमें संगीत और अन्य पारंपरिक रस्में शामिल होंगी। 28 मार्च को राजस्थान के बाड़मेर से बिश्नोई की बारात रवाना होगी, वहीं 29 मार्च को विदाई और 30 मार्च को जोधपुर में रिसेप्शन रखा जाएगा। समारोह में वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और राजनीतिक हस्तियों के शामिल होने की संभावना हैं। केके बिश्नोई 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और उत्तर प्रदेश में सख्त पुलिसिंग और नेतृत्व क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हें मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं, जो महिला सुरक्षा और साइबर क्राइम के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्हें महिला सशक्तिकरण के लिए "वुमेन आइकन अवॉर्ड" से भी सम्मानित किया गया। दोनों अधिकारी अपने-अपने जिलों में प्रभावशाली पदों पर तैनात हैं और उनकी शादी प्रशासनिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

अलीगढ़ में 191 ईंट भट्ठे बंद, नए नियमों के तहत संचालन की तैयारी

यूनिक समय, अलीगढ़। जिले में कुल 600 ईंट भट्ठों में से 191 भट्ठे बंद हैं। इनमें से 111 पर बंदी आदेश लागू है और लगभग 80 डिफाल्टर श्रेणी में हैं। केवल 400 भट्ठों के पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एनओसी) की सहमति है, जिनमें आग धधक रही है और ईंटें पक रही हैं। नौ भट्ठे जर्जर स्थिति में हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. विश्वनाथ शर्मा ने बताया कि बंद भट्ठों को चालू करने के लिए नए नोटिफिकेशन के अनुसार पंजीकरण कराना होगा और सभी प्रदूषण नियंत्रण शर्तें पूरी करनी होंगी। इसके लिए निवेश मित्र पोर्टल पर आवेदन करना होगा और सालाना 15,000 रुपये फीस जमा करनी होगी, जिसमें 7,500 रुपये वायु प्रदूषण और 7,500 जल प्रदूषण नियंत्रण शुल्क शामिल है।

भट्ठों की चिमनी जिगजैग तकनीक में होनी चाहिए और मिट्टी खनन का प्रमाण पत्र भी अनिवार्य है। स्थलीय जांच और सहमति मिलने के बाद ही भट्ठों का संचालन संभव होगा।

हम मायावती और नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे : अखिलेश

यूनिक समय, लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 में जब इंडिया गठबंधन बना था तब वे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे। इसी तरह 2019 में सपा-बसपा गठबंधन के दौरान उनका उद्देश्य मायावती को प्रधानमंत्री बनाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने नीतीश कुमार को केवल राज्यसभा सदस्य के रूप में ही सीमित रखना चाहा।

अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए हैं और महंगाई लगातार बढ़ रही है। उन्होंने केंद्र की विदेश नीति पर भी आपत्ति जताई और कहा कि देश की नीति हमारी सरकार तय करे, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग झूठ बोलता है और भाजपा सपा का फर्जी वीडियो चलवा रही है, जिस पर सपा मुकदमा करेगी।

इस अवसर पर कई नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। अखिलेश यादव ने यह स्पष्ट किया कि उनका राजनीतिक दृष्टिकोण गठबंधन और दलित नेतृत्व को मजबूत करने पर केंद्रित है। उनकी टिप्पणियों ने प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा पैदा कर दी है।

रीलबाज की लापरवाही से दो की मौत

यूनिक समय, गोरखपुर। नशे में फॉर्च्यूनर चला रहे प्रॉपर्टी डीलर गोल्डन साहनी की लापरवाही से दो लोगों की मौत हो गई। आरोपी फुल स्पीड में रॉन्ग साइड ड्राइव कर रहा था। टक्कर के बाद एमबीबीएस छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे स्कूटी सवार की मौत इलाज के दौरान गोरखपुर एम्स में हुई। हादसे के बाद आरोपी गोल्डन साहनी फॉर्च्यूनर लेकर फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़कर हिरासत में ले लिया। जांच में पुष्टि हुई कि वह नशे में गाड़ी चला रहा था। कोर्ट ने उसे 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। गोल्डन साहनी सोशल मीडिया पर खुद को यूपी सरकार के एक मंत्री का करीबी बताता है और रील बनाने का शौकीन है। पुलिस कस्टडी में भी उसने मंत्री को अपना 'फूफा' बताया है।

गर्भवती पत्नी की हत्या के आरोप में उम्रकैद

यूनिक समय, बरेली। गर्भवती पत्नी पूनम यादव की दहेज हत्या के मामले में पति गोविंद सिंह को आजीवन कारावास और 35 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। अपर सत्र न्यायाधीश कुमारी अफशां ने शनिवार को यह निर्णय सुनाया। कोर्ट ने गोविंद के माता-पिता, जसवीर और द्रोपदी देवी को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त करार देते हुए बरी कर दिया। मामला 14 अगस्त 2020 को सुभाषनगर थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ था। पूनम की शादी 20 अप्रैल 2019 को गोविंद सिंह से हुई थी और शादी के बाद से ही दहेज के लिए उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। शादी के एक साल चार महीने बाद पूनम नौ माह की गर्भवती थी।

ससुराल में होली मिलने आए युवक को पीटा, वीडियो वायरल

यूनिक समय, हरदोई। जिले के बहरैया गांव में होली मिलने आए अतुल कुमार और उनके परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया। अतुल अपने माता-पिता और भाई के साथ ससुराल पहुंचे थे। ससुराल में पत्नी की विदाई को लेकर विवाद शुरू हुआ, जिससे तनाव बढ़ा और परिजनों सहित युवक को पीटा गया। आरोपियों ने इस दौरान उनके वाहन को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

घटना का 41 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। पीड़ित युवक ने पुलिस को तहरीर दी है और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा और पारिवारिक विवादों के मुद्दे पर चिंता बढ़ा दी है।

नए स्वरूप में विकसित होगा ग्रीनपार्क स्टेडियम

350 करोड़ से बनेगा पिलर-लेस और आधुनिक स्टेडियम

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर का ऐतिहासिक ग्रीनपार्क स्टेडियम 350 करोड़ रुपये की लागत से पूरी तरह नए स्वरूप में विकसित किया जाएगा। जीर्णोद्धार के बाद स्टेडियम पिलर-लेस और आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिससे हर सीट से मैदान का स्पष्ट दृश्य दिखाई देगा। स्टेडियम की कुल दर्शक क्षमता लगभग 35,041 हो जाएगी और अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी में अब कोई बाधा नहीं रहेगी। पहले चरण में मीडिया सेंटर, प्लेयर पवेलियन, दर्शक दीर्घाएं और फ्लड लाइट का पुनर्निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए अप्रैल में 45 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी होने की संभावना है। मंडलायुक्त ने बताया कि इस महीने के अंतिम सप्ताह तक टेंडर प्रक्रिया और सभी आवश्यक बैठकें पूरी कर ली जाएंगी। निर्माण कार्य मई-जून के बीच शुरू होने की उम्मीद है। पिलर-लेस डिजाइन से स्टेडियम का हर हिस्से एक समान दिखेगा और दर्शकों को मैच देखने में कोई बाधा नहीं आएगी। दीर्घाओं के नीचे फूड प्लाजा और वीआईपी पार्किंग की सुविधा भी दी जाएगी। निर्माण तीन चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में पुरानी दीर्घाओं को हटाने से क्षमता लगभग 30,500 सीट रह जाएगी। दूसरे चरण में और दीर्घाएं हटाई जाएंगी, जिससे क्षमता घटकर 18,000 सीट हो जाएगी। तीसरे और अंतिम चरण में नए निर्माण के तहत 15,280 नई सीटें जोड़ी जाएंगी और कुल दर्शक क्षमता बढ़कर 35,041 हो जाएगी। निर्माण के दौरान आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम का भी कार्य कराया जाएगा। राज्य खेल सचिव और मुख्यमंत्री लगातार परियोजना की प्रगति पर नजर रख रहे हैं। नए स्टेडियम के पूरा होने के बाद कानपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों के लिए एक आकर्षक स्थल बन जाएगा। इस जीर्णोद्धार से स्टेडियम की संरचना और सुविधाएं आधुनिक स्तर तक पहुंचेंगी, जिससे दर्शकों को उच्च गुणवत्ता का अनुभव मिलेगा और खेल आयोजनों में कानपुर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। ग्रीनपार्क का यह नया अवतार न केवल शहर की पहचान बढ़ाएगा बल्कि खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए बेहतरीन अनुभव सुनिश्चित करेगा।

अवैध हथियार के साथ रील वायरल, पुलिस जांच में जुटी

यूनिक समय, बागपत। जिले के राजपुर खामपुर गांव में युवक बादल का अवैध हथियार के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में वह हथियार दिखाते हुए रील बना रहा था। इसे लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया बताया जा रहा है। वायरल वीडियो के बाद क्षेत्र में लोगों में दहशत फैल गई और यह मामला चर्चा का विषय बन गया। बड़ौत कोतवाली पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और वायरल वीडियो की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हथियार की सत्यता और वीडियो के समय व स्थान की जानकारी जुटा रही है।

सार संक्षेप

तरनजीत सिंह ने मंदिर की व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के नव नियुक्त उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने आरके पुरम स्थित उत्तरा स्वामी मलाई मंदिर का दौरा किया। यह धार्मिक स्थल प्रशासनिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। दौरे के दौरान उन्होंने मंदिर के संचालन और व्यवस्था का अवलोकन किया और स्थानीय अधिकारियों से समीक्षा की।

नीतीश कुमार से राज्यपाल मिले

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में नागालैंड के अधिसूचित राज्यपाल नंद किशोर यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। चर्चा में राज्य और केंद्र के सहयोग, प्रशासनिक मुद्दों और आगामी सरकारी योजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। नई नियुक्तियों और प्रशासनिक बदलावों के संदर्भ में भी दिशा-निर्देश साझा किए गए।

फिनलैंड ने समझौता का महत्व बताया

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत के साथ समझौता ज्ञापनों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह द्विपक्षीय समझौता श्रम गतिशीलता में सहयोग बढ़ाएगा। समझौते से दोनों देशों के रोजगार और कौशल आदान-प्रदान के अवसर बढ़ेंगे।

कांग्रेस संसदीय बैठक कल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह कल 10 जनपथ पर बैठक करेगा। इसमें बजट सत्र के दूसरे भाग की रणनीति पर चर्चा होगी। सांसदों को सदन में उपस्थित रहने के लिए थ्री-लाइन व्हिप जारी किया गया है। बैठक में नीतिगत और विधायी मामलों पर मार्गदर्शन किया जाएगा।

नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को विदाई देने राजभवन पहुंचे। साथ में संजय झा भी मौजूद रहे। नए राज्यपाल सैयद अता खान 12 मार्च को पटना में पदभार संभालेंगे।

राहुल गांधी बोले युद्ध तकनीक पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टेक्नो पार्क में आईटी विशेषज्ञों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि यूक्रेन युद्धक्षेत्र में ड्रोन और ईरान में बैटरी ऑप्टिक्स का प्रभुत्व चीन के पास है। उन्होंने नई तकनीकों में भारत की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और युवा उद्यमियों को तैयार रहने की सलाह दी।

ममता बनर्जी का केंद्र पर हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बजट योजनाओं की घोषणा में केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने 'बंगालर युवा साथी' और 'भूमिहीन खेत मजदूर' योजनाएं आज से शुरू करने की घोषणा की।

रंग फैक्टरी में लगी भीषण आग पांच महिलाओं की झुलसकर मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के जींद जिले के सफीदों में शनिवार को होली के रंग बनाने वाली एक फैक्टरी में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग की चपेट में आने से पांच महिलाओं की झुलसकर मौत हो गई, जबकि कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। जानकारी के अनुसार हादसे के समय फैक्टरी में करीब 30 मजदूर काम कर रहे थे। अचानक आग लगने के बाद फैक्टरी के अंदर धुआं और लपटें तेजी से फैल गईं। बताया जा रहा है कि फैक्टरी के बाहर की ओर ताला लगा हुआ था, जिसके कारण कई मजदूर समय रहते बाहर नहीं निकल पाए और अंदर ही फंस गए। इससे स्थिति और भी गंभीर हो गई और कई लोग झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान 16 महिलाओं और दो पुरुषों को झुलसी हालत में बाहर निकाला गया। घायलों को तुरंत एंबुलेंस के जरिए जींद के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए पानीपत सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान पूजा, उषा, पिंकी और गुड्डी के रूप में हुई है, जबकि एक महिला की पहचान अभी नहीं हो सकी है। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई और सड़क जाम करने की चेतावनी भी दी।

हरियाणा के सफीदों की फैक्टरी में हुआ बड़ा हादसा

फैक्टरी में काम कर रहे थे करीब 30 मजदूर

मौके पर पहुंचे जिला प्रशासन के अधिकारियों ने परिजनों को उचित कार्रवाई और मुआवजा देने का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति कुछ शांत हुई। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही फैक्टरी में सुरक्षा व्यवस्था और नियमों के पालन की भी जांच की जाएगी।

उत्तराखंड के निर्माण में वाजपेयी की भूमिका अहम: अमित शाह

यूनिक समय, नई दिल्ली/हरिद्वार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड सरकार के चार साल पूरे होने के अवसर पर हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की अलग पहचान और विकास के लिए लोगों ने लंबे समय तक संघर्ष किया था और इस संघर्ष में कई युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमित शाह ने कहा कि उस समय आंदोलन कर रहे युवाओं को दमन का सामना करना पड़ा था। उन्होंने रामपुर तिराहा कांड का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना में कई युवाओं ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के निर्माण में इन युवाओं के योगदान को हमेशा याद रखा जाना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे नए

हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिया बयान

राज्यों के गठन का ऐतिहासिक फैसला लिया था। उन्होंने कहा कि आज ये राज्य तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण राज्य में विकास और कानून व्यवस्था दोनों को मजबूती मिल रही है।

राजस्थान में भूकंप के झटके, लोगों में हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह 6:32 बजे हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 दर्ज की गई। झटके के कारण स्थानीय लोग घरों से बाहर निकल गए और कई देर तक सुरक्षा के लिए बाहर ही रुके रहे। रानोली और आसपास के इलाकों में भी झटके महसूस किए गए।

भूगर्भ विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के लगभग 59 प्रतिशत क्षेत्र भूकंप के लिहाज से संवेदनशील हैं। देश को जोन–2 से जोन–5 तक चार भूकंप जोन में बांटा गया है। जोन–5 सबसे संवेदनशील है, जबकि जोन–2 में खतरा कम है। दिल्ली

जोन–4 में आती है, जहां 7 या उससे अधिक तीव्रता के भूकंप आ सकते हैं। रिक्टर स्केल के अनुसार 4–4.9 तीव्रता में सामान गिर सकता है, 5–5.9 में भारी फर्नीचर हिल सकता है, 6–6.9 में इमारत का बेस दरक सकता है। इस हल्के भूकंप ने लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी।

रायसीना डायलॉग में जयशंकर ने किया बचाव, भारत ने ईरानी युद्धपोत को दी शरण

यूनिक समय, नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत द्वारा ईरान के युद्धपोत आईआरआईएस लावन को कोच्चि में शरण देने के फैसले का बचाव किया है। रायसीना डायलॉग 2026 के दौरान उन्होंने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह मानवीय आधार पर लिया गया। उन्होंने बताया कि जहाज पर 183 नाविक सवार थे, जिनमें कई युवा कैडेट भी शामिल थे, इसलिए उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी था।

आईआरआईएस लावन को इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू और 'मिलन' 2026 में भाग लेने के लिए भारत आमंत्रित किया गया था। लेकिन क्षेत्रीय तनाव बढ़ने और जहाज में तकनीकी खराबी आने के कारण ईरान ने 28 फरवरी को भारत से शरण की मांग की। भारत ने 1 मार्च को इसकी अनुमति दी और 4 मार्च को यह युद्धपोत सुरक्षित रूप से कोच्चि बंदरगाह पर पहुंच गया। जयशंकर ने कहा कि यह फैसला अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त

मानवीय आधार पर लिया गया फैसला

राष्ट्र समुद्री संधि के अनुरूप लिया गया। उन्होंने कहा कि भू–राजनीतिक तनाव के बीच भी भारत ने मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत पिछले एक दशक से क्षेत्रीय व्यापार, कनेक्टिविटी और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो देश इस सहयोग में भागीदार बनेंगे, उन्हें इसका लाभ मिलेगा।

खारकीव में रूसी मिसाइल हमला सात लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। यूक्रेन के खारकीव शहर में शनिवार को हुए रूसी मिसाइल हमले में एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत पूरी तरह तबाह हो गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दस अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। हमले के बाद राहत और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। आशंका है कि मलबे के नीचे अभी भी कुछ लोग फंसे हो सकते हैं, इसलिए खोज और बचाव कार्य जारी है।

इस हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने रूस की कार्रवाई की निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस पर सख्त कदम उठाने की मांग की। जेलेंस्की ने कहा कि नागरिक इलाकों को निशाना बनाना बेहद गंभीर और अमानवीय है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुसार रूस ने रातभर में यूक्रेन के कई हिस्सों पर बड़े पैमाने पर हमला किया। इस दौरान रूस की ओर से 29 मिसाइलें और करीब 480 ड्रोन दागे

गए। इन हमलों का मुख्य निशाना ऊर्जा ढांचा और प्रमुख शहर थे, जिनमें राजधानी कीव भी शामिल है। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने कई हमलों को विफल करने में सफलता हासिल की। अधिकारियों के मुताबिक 19 मिसाइलों और 453 ड्रोन को हवा में ही मार गिराया गया। इसके बावजूद नौ मिसाइलें और 26 ड्रोन विभिन्न इलाकों में गिर गए, जिससे कई स्थानों पर नुकसान हुआ। दक्षिणी शहर ओडेसा में ड्रोन हमलों के कारण कई जगह आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए करीब 80 दमकलकर्मियों को तैनात किया गया। हमलों के कारण रेलवे ढांचे को भी नुकसान पहुंचा, जिसके चलते कुछ ट्रेनों के मार्ग बदलने पड़े। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को अब चार साल से अधिक

जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की मांग की

समय हो चुका है। इस दौरान रूस ने ईरानी डिजाइन वाले शहीद ड्रोन का बड़े पैमाने पर उपयोग किया है और कई बार एक ही रात में सैकड़ों ड्रोन हमले किए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अन्य वैश्विक संकटों के कारण इस युद्ध पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान कुछ कम होता दिखाई दे रहा है। वहीं जेलेंस्की ने कहा कि नागरिकों पर इस तरह के हमले न केवल यूक्रेन बल्कि पूरी दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने वैश्विक समुदाय से तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की है।

जीएसटी उपायुक्त 20 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नासिक में राज्य कर (जीएसटी) विभाग के उपायुक्त सोमनाथ दत्तू पागे और उनके सहयोगी को 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गिरफ्तार किया। मामले में आरोपी सहायक आयुक्त मच्छिंद्र विट्ठल डोंडे फरार है और उसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता के नासिक स्थित कार्यालय पर एसीबी ने छापा मारा। आरोप है कि पागे और डोंडे ने जीएसटी कार्रवाई से बचने के लिए शिकायतकर्ता से 1.25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसे बाद में घटाकर एक करोड़ रुपये कर दिया गया। एसीबी ने जाल बिछाकर पागे के सहयोगी अमित जाधव को 20 लाख रुपये की पहली किश्त लेते समय रंगे हाथ पकड़ लिया। पकड़े गए अधिकारियों के पास से 2 लाख रुपये नकद और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई के बाद नासिक में अफसरों और आम जनता में हड़कंप मच गया

जीएसटी कार्रवाई से बचाने के नाम पर मांगी थी एक करोड़ की रिश्वत

है। एसीबी अधिकारी बता रहे हैं कि इस गिरफ्तारी से राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ संदेश जाएगा। सहायक आयुक्त मच्छिंद्र विट्ठल की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें काम कर रही हैं और जल्द ही उसे भी पकड़ा जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना प्रशासन में पारदर्शिता लाने की दिशा में अहम कदम है। नासिक सहित महाराष्ट्र के अन्य जिलों में एसीबी की कार्रवाई लगातार जारी है और रिश्वतखोरी पर रोक लगाने के लिए निगरानी बढ़ाई जा रही है।

इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार की छोटी से छोटी शिकायत पर भी एसीबी कार्रवाई करने में संकोच नहीं कर रही है। वहीं, नासिक के व्यापारी और आम जनता ने इस कार्रवाई की सराहना की है और कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई से प्रशासन पर जनता का भरोसा बढ़ेगा।

महिला दिवस पर महिला अधिकारियों के बोल

महिलाएं अब हर क्षेत्र में आगे,किसी से कम नहीं

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिले के विभिन्न विभागों में तैनात महिला अधिकारियों ने महिलाओं को जागरूक किया और उन्हें आगे बढ़ने का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि आज की महिला किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। सरकारी नौकरी हो, निजी क्षेत्र हो, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल या व्यापार हर जगह महिलाएं अपनी मेहनत और प्रतिभा से सफलता हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं को सीमित अवसर मिलते थे, लेकिन अब समय बदल चुका है। आज महिलाएं घर की जिम्मेदारी निभाने के साथ–

शिक्षा और आत्मविश्वास से महिलाएं हर मुकाम हासिल कर सकती हैं

साथ समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। जमीन से लेकर आसमान तक महिलाएं अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। महिला अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। यदि बेटियां पढ़ेंगी और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगी तो वे हर मुश्किल को पार कर सकती हैं।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा

गुप्ता ने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अच्छा काम कर रही हैं। गांवों में भी महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काम करके आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं अगर ठान लें तो कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकती हैं।

बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति

ने कहा कि शिक्षा महिलाओं को मजबूत बनाती है। जब बेटियां पढ़ेंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आज कई बेटियां पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और अपने परिवार का नाम रोशन कर रही हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने कहा कि महिलाओं के

अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है। महिलाओं को इन योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। उनका लाभ उठा रही हैं। समाज में महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा मिलना बहुत जरूरी है।

महिला थानाध्यक्ष डेजी पवार ने कहा

कि महिलाओं को इतना सशक्त होना चाहिए कि जीवन में आने वाली हर चुनौतियों का सामना कर सकें, अगर किसी महिला के साथ अन्याय होता है तो उसे बिना डर के पुलिस से मदद लेनी चाहिए।

उत्तर मध्य रेलवे रेल मंडल आगरा की जनसम्पर्क अधिकारी रागिनी सिंह

ने कहा कि स्कूलों में बेटियों की संख्या और उनकी सफलता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि माता–पिता को बेटियों को पढ़ाने और आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। तभी देश आगे बढ़ पाएगा।

असिस्टेंट प्रोफेसर आम्रपाली ने कहा

कि वर्तमान में शिक्षित बेटियों की संख्या और उनकी सफलता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि माता-पिता बेटियों के पंख काटने की जगह उन्हें उड़ने का हौंसला दें।

डॉ. रितु रंजन ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में महिलाओं की बड़ी भूमिका है।

डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी के रूप में महिलाएं लगातार लोगों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए।

असिस्टेंट प्रोफेसर सोनम यादव ने कहा कि

वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का है। सभी नारियों के लिए एक ही संदेश है कि वे अपनी शिक्षा में अपना अधिकाधिक समय और क्षमता लगाएं ताकि इस प्रतिस्पर्धी युग में आप शिक्षित और कौशलयुक्त हो सके क्योंकि बिना कुशलता के प्रतिस्पर्धा में टिक पाना मुश्किल है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर बलदेव के लिए कट बनाने की मांग

सांसद हेमा मालिनी ने मुख्यमंत्री को कराया अवगत

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमामालिनी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया है। उन्होंने बताया कि मथुरा श्री राधा–कृष्ण की पावन लीला स्थली है। इसलिए यहां वर्षभर देश और विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। सांसद ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम की नगरी बलदेव में भी बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री वाहनों से पहुंचते हैं। इसके कारण कई बार शहर में यातायात का दबाव बढ़ जाता है और जाम की स्थिति बन जाती है। उन्होंने बताया कि यमुना एक्सप्रेस बलदेव क्षेत्र के पास से होकर गुजरता है। क्षेत्र के लोगों, किसानों और श्रद्धालुओं की मांग है कि मथुरा–सादाबाद मार्ग के नीचे बने मार्ग पर बलदेव की ओर जाने के लिए कट बनाया जाए, जिससे आने–जाने में सुविधा हो सके। सांसद ने पत्र के माध्यम से आग्रह किया कि मथुरा–सादाबाद मार्ग के नीचे बने मार्ग पर यमुना द्रुतगामी मार्ग से बलदेव की ओर कट की स्वीकृति कर निर्माण कराया जाए। इससे स्थानीय लोगों, किसानों और तीर्थ यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि मथुरा–वृंदावन डवलमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत अनेक आवासीय कॉलोनियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और व्यावसायिक परिसरों के निर्माण की योजनाएं प्रस्तावित हैं तथा कई स्थानों पर विकास कार्य चल रहे हैं। इन योजनाओं के कारण जिले में बिजली की मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि नई विकास योजनाओं में बिजली उपकेंद्र बनाने के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध कराना आवश्यक किया जाए।

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम आते ही अधिकारियों की नींद उड़ गई

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे को लेकर मथुरा और वृंदावन में पुलिस सतर्क नजर आई। मुख्यमंत्री के आने से पहले सभी चौराहा और तिराहों की नाकेबंदी कर दी गई। सड़क पर दौड़ने वाले वाहनों के आवागमन को रोक दिया गया। वृंदावन स्थित हैलीपेड पर हैलीकॉप्टर से उतरने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम भले ही ठाकुर बांके बिहारी मंदिर जाने का नहीं था, लेकिन मंदिर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी नजर आई। पिछली बार मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान हुई लापरवाही से सबक लेते हुए इस बार संभावित प्रदर्शन की खबर को लेकर पुलिस ने सुबह से घेराबंदी कर दी। मंदिर के कई गोस्वामियों को इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था। रात को पुलिस ने इस तरह से कार्रवाई की कि लोग कार्रवाई को देख कर हैरान रह गए। पुलिस ने उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया। पुलिस घरों के बाहर तैनात रही। इस कार्रवाई पर गोस्वामियों का कहना है कि पुलिस ने उन लोगों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जैसे वे बहुत बड़े अपराधी हों। आज उनके बच्चे इसके चलते घर से स्कूल तक नहीं जा सके। यही नहीं उन्हें घर से बाहर दूध आदि लाने तक के लिए नहीं जाने दिया गया।

श्री कृष्ण जन्म स्थान पर मुख्यमंत्री के आने से पूर्व रूपम टॉकीज पर ट्रैफिक व्यवस्था देखते पुलिसकर्मी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर रूपम टॉकीज के सामने बंद दुकानों का नजारा।

मुख्यमंत्री आते रहें, वृंदावन चमकता रहे

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आज होने वाले दौरे के कारण रात भर कई विभागों के अधिकारी सो नहीं पाए। रात में सड़कों पर हो रहे गड्ढ़ों को भरवाने में लगे रहे। इसके साथ ही वृंदावन को सजाने और संवारने में लगे रहे। हर किसी को डर था कि कहीं इस बार मुख्यमंत्री नाराज न हो जाएं। मुख्यमंत्री का फाइनल कार्यक्रम आते ही कई विभागों के अधिकारियों की नींद उड़ गई। सभी अधिकारी तालमेल बनाते हुए कामों को अंजाम देने के लिए सड़क पर उतर आए। कहीं मजदूर सड़क को दुरुस्त कर रहे थे। कही मजदूर सड़क के आसपास की सफाई कर रहे थे। मुख्यमंत्री के संभावित मार्गों पर सरकार की योजनाओं के बड़े बड़े होर्डिंग्स लगा दिए। गंदगी वाले इलाकों को बड़े कपड़ो से ढक दिया गया। गीता शोध संस्थान के कई कमरों को पानी से धोया गया। सड़कों पर होने वाली गंदगी को काफी हद तक साफ करा दिया। सड़क के डिवाइडरों पर गमलों को भी रख कर हरियाली बना दी गई। इस पर वृंदावन के कुछ लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री के आने की वजह से जिस तरह वृंदावन चमकने लगा वे ईश्वर से इस तरह की प्रार्थना करते हैं कि मुख्यमंत्री जल्दी–जल्दी दर्शन दें जिससे वृंदावन इसी तरह चमकता रहे।

महिला दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने छात्राओं से की मुलाकात

छात्राओं से बातचीत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

नारी सशक्तिकरण का दिया संदेश

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय सभागार में पुलिस मॉडर्न स्कूल की छात्राओं से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें नारी सशक्तिकरण के महत्व के बारे में पूछा। जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, भविष्य की योजनाओं और अधिकारों के बारे में भी जानकारी ली।

उन्होंने छात्राओं को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्राओं को चॉकलेट देकर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री से मुलाकात कर छात्राएं भी काफी उत्साहित दिखाई दीं।

मुख्यमंत्री के आने से वृंदावन में श्रद्धालु रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। मुख्यमंत्री के आने के कारण वृंदावन आने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार और रविवार को वीकेंड होने के कारण दिल्ली सहित दूसरे जनपदों से ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में भगवान के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने वाहनों से आते हैं। इसके चलते वृंदावन में जाम जैसे हालत पैदा हो जाते हैं। आज शनिवार होने के कारण बड़ी संख्या में अपने वाहनों से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को पुलिस ने काफी दूरी पर रोक दिया। इसके चलते लोगों को दर्शन करने के लिए लंबी दूरी तक पैदल चलना पड़ा। यही नहीं मथुरा–वृंदावन के बीच चलने वाले लोगों को भी इसके चलते भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों को वाहन न मिलने के कारण पैदल पहुंचना पड़ा।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053